राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह
मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 शुभमन गिल ने जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा... | सम्पादकीय | पाकिस्तानी मानसिकता, हरकतों से... | नए वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5... 5

वर्ष 19 ● अंक 74 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | ग्वालियर, सोमवार 31 मार्च 2025 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

अमर संस्कृति का वट वृक्ष आरएसएसः पीएम मोदी

स्वामी अवधेशानंदजी कार्यक्रम में रहे मौजूद

प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे

नागपुर। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

बतौर प्रधानमंत्री मोदी का यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की।

उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लगातार ऊर्जावान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं।

1. भारत की आजादी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में नजर डालें तो इसमें कई आक्रमण हुए। इतने आक्रमणों के बावजूद भी भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी इस चेतना को जाग्रत रखने के लिए नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

शेष पृष्ठ 5 पर.....

उज्जैन के वीर भारत संग्रहालय में वीर महापुरूषों की गौरव गाथाओं का संकलन होगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री मेघवाल ने वीर भारत संग्रहालय का भूमि-पूजन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रविवार को कोठी महल पर युगयुगीन भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता की महागाथा का वर्णन करने वाले ÷वीर भारत संग्रहालय÷ का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अर्जुनराम मेघवाल भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि उज्जैन का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। हर कल्प में उज्जयिनी का अपना इतिहास रहा है। प्राचीन भारत के वीर महापुरूषों की गौरव गाथा की जानकारी इस संग्रहालय में प्रदान की जाएगी। संग्रहालय का निर्माण भव्य स्तर पर किया जाएगा। प्राचीन काल की सभी प्रमुख घटनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। संग्रहालय का निर्माण लगभग 20 करोड़ रूपए की लागत से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आवश्यकता पडने पर और धन राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करने का एक और अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से संग्रहालय के निर्माण हेतु शुभकामनाँ दी।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि सांसद उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र श्री अनिल फिरोजिया, सांसद राज्यसभा श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक उज्जैन-उत्तर श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, महापौर नगर पालिक निगम श्री मुकेश टटवाल निगम अध्यक्ष नगर पालिक निगम श्रीमती कलावती यादव और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्लाशामिल हुए।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम पंडित चंदन व्यास एवं उनके दल के द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अतिथितियों का स्वागत किया गया। श्रीराम तिवारी ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि भारतवर्ष के गौरवशाली और पराक्रमी अतीत से परिचय तथा प्रेरणा हमारे समय की अपरिहार्य आवश्यकता है। यह एक राष्ट्रव्यापी, महत्वाकांक्षी स्वप्न है,

शेष पृष्ठ 5 पर...

म्यांमार : फिर आया 5.1 तीव्रता का भूकंप, अब तक 1644 की मौत

नेपीदा। म्यांमार में रविवार दोपहर 2:30 बजे करीब एक बार फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह बीते 3 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले 4 भूकंप आए हैं। भूकंप का केंद्र म्यांमार के मांडले से लगभग 17 मील (27 चरू) उत्तर में था।शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में भारी तबाही हुई। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। ष्टहह ने एक जियोलॉजिस्ट के हवाले से बताया है कि इस भूकंप का असर 334 एटॉमिक बम में ब्लास्ट के बराबर था। रिर्पोट के मुताबिक शनिवार तक मरने वालों का आंकड़ा 1644 हो चुका है, जबकि 3,408 से ज्यादा लोग घायल हुए और 139 लोग लापता हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 17 लोगों की मौत हुई है। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे ने जताई। इस भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और ढ्ढहस्र सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन रिलीफ सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से म्यांमार के मांडले शहर पहुंची।इससे पहले ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत ही भारत ने मदद के लिए 15 टन राहत सामग्री में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, वाटर प्यूरीफायर, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और आवश्यक दवाएं भेजी।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अमृतकाल से शताब्दीकाल की यात्रा पर है

केन्द्र व राज्य सरकार अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के लिये काम कर रहीं हैंः विस अध्यक्ष तोमर

विकसित भारत निर्माण के लिये स्वस्थ भारत जरूरीः केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान

- 500 पलंग के आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल का भूमिपूजन हुआ

ग्वालियर। विकसित भारत के निर्माण के लिये स्वस्थ भारत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। लेकिन इसके लिये केवल सरकार ही नहीं समाज को भी आगे आना होगा। आरोग्यधाम प्रकल्प वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ यह काम बखूबी ढंग से कर रहा है। यह बात केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय के भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए कही। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का वाचन भी किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र सह कार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, दंगल टीवी प्रा.लि. के प्रबंध निदेशक मनीष सिंघल, तराणेकर स्मृति सेवा न्यास के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता व आरोग्यधाम संचालन समिति के अध्यक्ष मनोज सिंघल मंचासीन थे। शेष 5 पर

उठावनी

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जा रहा है कि हमारे पूज्यनीय

श्री अशोक मोदी (एडवोकेट) जी

का देवलोक गमन दिनांक 29 मार्च 2025, शनिवार को हो गया है,
जिनकी पुण्य स्मृति में उठावनी सभा दिनांक 31 मार्च 2025, सोमवार को
दोप. 3 बजे से 4 बजे तक

स्थान : भार्गव वाटिका, पैलेस रोड, धौलपुर (राज.)

पर रखी गई है।

शोकाकुल परिवार

सुमन मोदी (पत्नी)
मंयक (जिला जज)-छवि , नितिन (एड्वोकेट)-कोमल (पुत्र -पुत्रवधु),
त्रिलोक, जयन्त (भाई), स्पर्श (भतीजा)
अदिती, कृष्णा, चैतन्य, आद्या (पौत्र -पौत्री) एवं समस्त मोदी परिवार
ससुराल पक्ष : विशन-रजनी, राकेश-रेनू (आगरा)

यह मेरे लिए गौरव की बात कि यह शिविर मेरी माँ की स्मृति में आयोजित हो रहा हैः न्यायाधिपति श्री जे.के. माहेश्वरी

शिविर से हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैंः विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह

''एक शाम चिकित्सकों के नाम'' कार्यक्रम में चिकित्सकों का हुआ सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। स्व. श्रीमती मोहन प्यारी देवी माहेश्वरी जी की स्मृति में आयोजित रोटरी मेडिकल मिशन राहत-2 के अंतर्गत सेवा दें रहे देश के सुप्रसिद्ध डॉक्टर्स का सम्मान हेतु माहेश्वरी परिवार द्वारा स्थानीय गार्डन में ''एक शाम डॉक्टर्स के नाम'' कार्यक्रम का आयोजन रखा, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, पास्ट रोटरी इंटरनेशनल प्रेसिडेंट राजा साबु, डॉ. सुभाष गर्ग, डॉ. आलोक मुखर्जी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि यह शिविर मेरी माँ स्व. श्रीमती मोहन प्यारी देवी माहेश्वरी जी की स्मृति में आयोजित हो रहा है यह मेरे लिए बड़ी खुशी का और गौरव का विषय है। इस कैंप के माध्यम से गरीब जनता को इलाज मिल रहा है और जो भीड़ इस कैंप में आ रही है वो उनका कैंप के प्रति विश्वास है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर पीड़ित मानवता की दिशा में सकारात्मक प्रयास है। मेरा यह प्रयास भी रहेगा कि इस शिविर से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा किए चिकित्सा का महाकुंभ मुरैना में आयोजित हो रहा है, जिसमें देश के नामचीन डॉक्टरों ने सेवा कर अपनी आहुति दी है और मुरैना की जनता को लाभ पहुंचा है हम उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह का शिविर पूर्व में भी मुरैना में भी लगाया गया था उक्त शिविर से भी हजारों लोगों ने लाभ उठाया था। मैं आशा करता हूँ कि यह शिविर भी लोगों को अपने नाम के अनुरूप राहत प्रदान करने में कारगर साबित होगा।

न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने देश के सुप्रसिद्ध डॉक्टर्स का सम्मान किया।

इन डॉक्टर्स का सम्मान किया गया

डॉ. अनूप राज चोपड़ा, डॉ. दिनेश भूरानी, डॉ. नीरज जैन, डॉ. राजश्री जैन, डॉ. डानीता नाथू, डॉ. सुभास गर्ग, डॉ. अलोक मुखर्जी, डॉ. मंजीत सिंह, डॉ. अनिल कुमार वर्मा, डॉ. विक्रम खोसला, डॉ. रावजीत सिंह, डॉ. चंजीव सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. विश्व सिंह, डॉ. वनिता गुप्ता, डॉ.अनुज शर्मा, डॉ. अमर भाटिया, डॉ. हेमंत बत्रा, डॉ. संजय बहेगारो, डॉ. आश्विन लक्ष्मीकांत आदि डॉक्टर्स को सम्मानित किया, साथ ही इस कैंप को बारीकियों से देखने वाले मुरैना के जिलाधीश अंकित अस्थाना को भी सम्मानित किया गया। कैंप में भोजन व्यवस्था संभाल रहे व्यापार मण्डल के अध्यक्ष एवं सदस्यों का भी सम्मान किया। इस अवसर पर भूपेंद्र जैन, प्रदीप पाराशर, वीरेंद्र गंगवाल, रोटरी क्लब मुरैना से डॉ. संजीव बाँदिल, अध्यक्ष चेतन्य कुलश्रेष्ठ, सचिव मनीष कंसाना, कोषाध्यक्ष अंशुल गोयल, अतुल माहेश्वरी, अखिल माहेश्वरी, डॉ. राकेश माहेश्वरी सहित सभी रोटरी क्लब मुरैना के मेंबर्स शामिल हैं।

ग्वालियर में महानाट्य "मेरे श्याम खाटू श्याम" की पहली बार प्रस्तुति

विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

नाट्य प्रस्तुति देख दर्शक महाभारत कालखंड में पहुंचे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। महाभारत के 18 दिनों तक चले युद्ध में खाटू श्याम की भूमिका से हर कोई परिचित है। अब भारत मे पहली बार खाटू श्याम पर नाट्य प्रस्तुति सामने आई है। देश में पहली बार ग्वालियर में ''मेरे श्याम खाटू श्याम'' महानाट्य की सजीव प्रस्तुति जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार में देखने को मिली।इस महानाट्य का शुभारंभ मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक व युवा भाजपा नेता देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर (रामू भैया), मुरैना-श्योपुर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता आदि मौजूद थे। लेखक एवं निर्देशक प्रशांत चौहान ने महाभारत के प्रसंग की एक-एक कडियों को जोड़कर इस महानाट्य का रूप दिया है। इस्कॉन और न्यानेश्वरी फिल्म एवं नाट्य कला संस्थान संस्थान की इस अद्भुत और दिव्य प्रस्तुति ने दर्शकों

को महाभारत काल के कालखंड की याद दिला दी। कार्यक्रम आयोजक और भाजपा नेता देवेंद्र प्रताप तोमर(रामु) की पहल पर यह सफल आयोजन सम्पन्न हो सका। नाटक की कथा यहां कसावट लिए हुई थी वहीं प्रशांत चौहान के कुशल निर्देशन में इसे यादगार प्रस्तुति बना दी। इस्कॉन और न्यानेश्वरी फिल्म एवं नाट्य कला संस्थान द्वारा ''मेरे श्याम खाटू श्याम'' अवतार गाथा पर महानाट्य का भव्य मंचन जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार में आयोजित किया गया

इस अवसर पर मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, मुरैना सांसद शिवमंगल सिंह तोमर,भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी सहित बड़ी संख्या में नाटक प्रेमी उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद् जौरा द्वारा जल गंगा संवर्धन हेतु किया निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। म.प्र. जन अभियान परिषद् मुरैना के जिला समन्वयक सतीश सिंह तोमर एवं जौरा के ब्लॉक समन्वयक बीडी शर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन हेतु किया निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय जौरा में किया गया। इस कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक बीडी शर्मा, नवांकुर समिति से कैलाश शर्मा, विष्णु सिंह तोमर, अलकेश राठौर, जितेंद्र शर्मा, परामर्शदाता प्रशांत शर्मा, जया बागड़े, शिवानी शर्मा, विनोद शर्मा, श्रीकुमार शर्मा आदि उपस्थित थे। सभी छात्रों द्वारा जल गंगा संवर्धन हेतु निबंध लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता की। कार्यक्रम में बीडी शर्मा ने बताया कि आजकल लोग पानी की बोतलें, चिप्स, कुरकुरे इत्यादि खाकर उसका पैकेट नदियों नालों में फेंक देते हैं, बड़े बड़े कारखाने खुल रहे हैं, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। बहुत से लोग पानी को बेवजह बर्बाद करते हैं, इसलिए भारत में कई जगहों पर सूखा पड़ने लगा है, वहां लोग खेती नहीं कर पाते। कई जगहों पर लोगों को पीने के पानी के लिए बहुत दूर जाना पड़ता है या तो सरकारी वाटर टैंक आने पर ही उन्हें पानी मिल पाता है। निकट भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को पानी की बहुत ज्यादा समस्या होगी। इसलिए हमारे लिए पीने का पानी बूँद-बूँद कीमती है। ब्रश करते समय या हाथ धुलते समय नल को खुला न रखें, नहाते समय शावर से नहीं बल्कि बाल्टी में भरकर नहाना चाहिए, इस तरह रोजाना जो पानी हम इस्तेमाल करते हैं अगर उसमे थोड़ा भी ध्यान दें तो हम पानी को बर्बाद होने से बचा सकते हैं। वहीं कैलाश शर्मा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण कर जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाना अतिआवश्यक है। बड़े-बड़े उद्योगों को अपने अपशिष्ट जल को शुद्ध करने के बाद ही उसे नदियों और जलाशयों में छोड़ना चाहिए। सामुदायिक भागीदारी के तहत यह सामुदायिक स्तर का अभियान है, लोगों को जागरूक होना होगा और जल संरक्षण के महत्व को समझना होगा। स्कूलों, कॉलेजों, और कानूनी व गैर कानूनी संगठनों द्वारा जल संरक्षण अभियानों का आयोजन किया जाना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूजा शर्मा, द्वितीय स्थान इंद्रजीत सिंह एवं तृतीय स्थान पर अंजली कुशवाह रही। साथ ही जल संरक्षण हेतु शपथ ग्रहण ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर समस्त बी एस डब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू छात्र उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं एवं व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "मन की बात" को सुना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया के निर्देशन में भगत सिंह मंडल मुरार ग्वालियर के अंतर्गत सभी पोलिंग बूथो पर विभिन्न स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पहुंचकर पार्टी के निर्देशानुसार अधिक से अधिक आम जन मानस को इस संवाद से जुड़कर प्रधानमंत्री जी के प्रेरणाप्रद विचारों को सुना मुरार के प्रमुख बाजार बजाज खाना मुरार के प्रमुख प्रतिष्ठान आशीष साड़ी सेंटर पर बुथ क्रमांक 167 के अंतर्गत व्यापारियों एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से सुना। मन की बात कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व व्यापारियों ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का पुष्प माला पहनकर अपने प्रतिष्ठान पर स्वागत कर अभिनंदन किया । आज प्रधानमंत्री मोदी जी के ''मन की बात'' कार्यक्रम के दौरान बूथ क्रमांक 167 के अतिथि एवं मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक जैन थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा भगत सिंह मंडल अध्यक्ष मुकेश दुबे ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से भाजपा प्रदेश कार्य समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य राकेश खुराशिया, वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश कटारे, जिला भाजपा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र राणा , भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य बिपुल गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी पंकज पाठक, गणेश समाधिया, नीटू राणा, मुरार व्यापार मंडल वरिष्ठ चंद्र प्रकाश अग्रवाल (भल्ले वाले), आशीष बागरी, संतोष पांडेय, गौरव जैन, पवन पांडेय, राहुल गुप्ता, बसन्त गर्ग और यश अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मन की बात कार्यक्रम का संचालन यश अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों को जलपान ग्रहण कराया गया। अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गणगौर पूजा आज, सुहागन महिलाएं रखेंगीं पति की लंबी आयु के लिए व्रत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मान्यता है कि इस व्रत के दिन पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। आज सोमवार को गणगौर का त्यौहार होने को लेकर व्रत रखने वालीं महिलाओ ने इस व्रत की तैयारियां अपने अपने घरों में दो दिन पूर्व ही शुरू कर दी गई थी। व्रत रखने वालीं महिलाओ ने परंपरा अनुसार घरों में देशी घी से पकवान बनाकर तैयार किए, जिन्हें गुना के नाम से जाना जाता है। रवा मैंदा से गोल आकार में तैयार कर फिर उन्हें कढ़ाई में देशी घी के अंदर पकाकर मीठा करने के लिए शक्कर की चासनी में डुबोकर तैयार किया जाता है। इन्हें संख्या में 16 बनाया जाता है, जिन्हें कथा सुनते समय थाली में सजाकर शिव पार्वती की प्रतिमा के समक्ष रखा जाता है। बाद में उन्हें मान्य धान्य को दान कर दिया जाता है। इस व्रत

को रखने वाली श्रद्धालु महिलाएं महावर मेहंदी लगाकर सोलह श्रृंगार कर आज सोमवार को कथा सुनकर व्रत रखेंगी। ज्यादातर महिलाएं सामूहिक रुप से एकत्रित होकर गणगौर के गीत गाकर इस कथा को सुनती है।

जानकारी के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि के दिन मनाए जाने वाले गणगौर पर्व के दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए मिट्टी से शिव पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूरे विधि विधान से पूजन कर व्रत रखती हैं। इस व्रत को रखने वाली श्रद्धालु महिलाएं सुंदर वस्त्र धारण कर सोलह श्रृंगार कर दिन के समय व्रत की कथा सुनती हैं। इस व्रत में व्रती महिलाएं दिनभर बिना पानी पिएं ही व्रत को रखती हैं। शाम को कथा स्थल पर सामूहिक रुप से एकत्रित होकर पानी पीकर अपना व्रत खोलती हैं। पूजा करने के बाद महिलाओं द्वारा मिट्टी से तैयार की गई शिव पार्वती (गणगौर) की प्रतिमा का विधि विधान के साथ पानी में विसर्जन भी किया जाता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यकारिणी का गठन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। माधव विधि महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कार्यकारिणी का गठन हुआ, जिसमें महाविद्यालय की प्रधानाचार्य नीति शर्मा, एवं विवेक भैया उपस्थित रहे। कार्यकारिणी के अध्यक्ष कार्तिक शर्मा को बनाया गया। उपाध्यक्ष राधे जोशी, पीयूष, कनक, अंकित को बनाया गया एवं मंत्री और सहमंत्री अरुण राठौड़ ने जया अग्रवाल, राजवीर, बंटी को बनाया गया एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का विघटन किया गया और घोषणा की गई। साभा का संबोधन नवनिर्वाचित अध्यक्ष द्वारा किया गया। अतिथिगण द्वारा कार्यकारिणी का उत्साहवर्धन किया गया एवं आगे में होने वाले वर्ष में कार्यक्रमों की योजना बनाई।

कालयुक्तनाम नवसंवत्सर स्वागोत्सव में किया गया नूतन वर्ष का अभिनंदन

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा कालयुक्तनाम नवसंवत्सर के स्वागत के लिये नव संवत्सर महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के सैकड़ों गणमान्य नागरिकों द्वारा नूतन वर्ष पर भगवान भुवन भास्कर की प्रथम किरण को अर्घ्यदान देकर नये वर्ष का स्वागत किया गया तथा शहर के विकास एवं नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की।

नगर निगम एवं संस्कार भारती के संयोजन में फूलबाग स्थित जलविहार के मनमोहक परिसर में आयोजित नव सवंत्सर महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 4.40 बजे संकीर्तन यात्रा के साथ किया गया। इसके पश्चात सुश्री लक्ष्मी धवल द्वारा शुभारंभ गीत ज्योति कलश छलके की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। संस्कार भारती के कलाकारों द्वारा जैन वाणी प्रार्थना की प्रस्तुति दी गई। वैदिक ऋचाओं का वाचन किया गया। इसके साथ ही सुप्रभात गायन नरेंद्र कूटे द्वारा गया गया। संकल्प गीत इतनी शक्ति को नवनीत कौशल द्वारा गाया गया। निवेदन गीत के उपरांत सूर्य अधर्य दिया गया। कार्यक्रम के अगले क्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शंख ध्वनि के साथ भगवान भुवन भास्कर की प्रथम रश्मि को अर्घ्यदान देकर शहर के विकास एवं जगत कल्याण की कामना के साथ जलबिहार परिसर में उपस्थित सैकड़ों की संख्याओं में गणमान्य नागरिकों द्वारा दी गई।

कार्यक्रम में पूर्व महापौर विवेक नारायण शेजवलकर ने शहरवासियों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि आज सृष्टि के सृजन का दिवस है। भारतीय संस्कृति एवं परम्परा को बढ़ावा देने तथा देश की युवा पीढ़ी को भारत की परम्पराओं से अवगत कराने व भारतीय संस्कारों को सिंचित करने के लिये नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष हिन्दू नववर्ष नव सवंत्सर महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में बंगाली समाज द्वारा देवी आह्वान आगोमनी की प्रस्तुति हुई। श्रीमती मोनिका मिश्रा के दल ने पारम्परिक नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रमुख पारंपरिक वाद्यों की संगत लोक वाद्य कचहरी की प्रस्तुति कल्पना विनोद मिश्रा दतिया द्वारा दी गई। श्रीमती पद्मजा पिल्लई समूह के दल, श्रीमती सोनी ग्रुप, श्रीमती विपिन दीपक राठौर के दल, श्रीमती शालिनी भटनागर ग्रुप, कृष्णा कदम ग्रुप द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति देकर नववर्ष को आनंदित कर दिया। इसके पश्चात रेडिएंट ग्रुप द्वारा योग पिरामिड बनाया गया। राधा प्रिय ग्रुप द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी गई तथा माइकल डांस एकेडमी द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद जगत नारायण शर्मा और उनकी टीम ने पखावज वादन की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व सभापति राकेश माहौर, संस्कार भारती से शेखर दीक्षित, दिनेश दुबे, प्रदीप दीक्षित, मनीष दीक्षित, आशुतोष बाजपेई, अतुल अधोलिया, जितेंद्र गोयल, उमा शेख कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे।

घटस्थापना के साथ चैत्र नवरात्रि की शुरूआत, देवी मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, किये दर्शन

- सुरक्षा के कड़े घेरे में देवी मंदिर

ग्वालियर। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत रविवार सुबह शुभ मुहूर्त में हो गई। घटस्थापना का समय सुबह 6.26 से 10.26 तक रहा। इस बार नवरात्रि केवल आठ दिन की रहेंगी, क्योंकि तृतीया तिथि के घटने से एक दिन कम हो गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि अनुष्ठान में सर्वप्रथम गणेश पूजन के बाद घटस्थापना करना शास्त्र सम्मत माना गया है। नवरात्रि के पहले दिन ग्वालियर के शीतला माता मंदिर, महलगांव करौली माता मंदिर, मांडरे वाली माता मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर के साथ ही अंचल के रतनगढ़ माता मंदिर और पीतांबरा माता मंदिर में भी दर्शनों के लिये श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

चैत्र नवरात्रि पर्व रविवार से शुरू हो गया। सुबह घट स्थापना के साथ भक्त माता की आराधना में लीन हो गए। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का आना शुरू हो गया जो कि दिनभर चला। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नव संवत्सर की शुरूआत भी हो गई है। नवरात्रि के दौरान मंदिरों पर उमडने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा हर साल की तरह इस साल भी पीतांबरा पीठ, बड़ी माता मंदिर, रामगढ़ माता मंदिर भांडेर एवं रतनगढ़ माता मंदिर पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। चैत्र नवरात्रि पहले दिन मां के मंदिरों पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। इसके चलते सुरक्षा में बड़ी संख्या में जवान तैनात किए गए है। शहर के सभी देवी मंदिरों पर ट्रैफिक प्वाइंट भी लगाए गए हैं, जिससे यहां जाम के हालात न बने। चैत्र नवरात्र एवं हिंदू नववर्ष का पहला दिन होने की वजह से तड़के ही लोग देवी मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचना शुरू हो गए थे। शहर में कुछ जगह पंडाल भी लगे हैं। सबसे ज्यादा भीड़ सातऊ स्थित मां शीतला मंदिर, मांढरे की माता मंदिर, पहाड़ाय वाली माता मंदिर महलगांव पर उमड़ी।

ग्वालियर के नाका चंद्रवदनी स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर में सुबह 6.30 बजे घटस्थापना की गई। मंदिर पुजारी ने बताया कि माता को भोग लगाकर आरती के साथ दर्शन के लिए पट खोले गए। नवरात्रि के दौरान माता का विशेष श्रृंगार किया गया और हलवा, चना व पूड़ी का प्रसाद भक्तों को वितरित किया गया। वहीं ग्वालियर से 22 किमी दूर सातऊ गांव में स्थित शीतला माता मंदिर पर श्रद्धालु पैदल यात्रा कर दर्शन के लिए पहुंचे। महलगांव में करौली माता (कैलादेवी) का मंदिर 102 साल पुराना है। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में करौली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। नवरात्रि में यहां भव्य मेला लगता है और भक्त अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए माता के दर्शन करने पहुंचते हैं।

सीआरपीएफ जवान के सूने घर से लाखों की चोरी

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के बृजधाम कॉलोनी में

सीआरपीएफजवान के सूने घर में चोरों ने धावा बोलकर 9 लाख का सामान चोरी कर लिया। चोर सोने-चांदी के जेवर और नकदी घर से ले गए है। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के बृजधाम कॉलोनी जवान जयकरण सिकरवार का घर है। जयकरण वर्तमान में चेन्नई में तैनात हैं। उनकी पत्नी पूनम बच्चों के साथ ग्वालियर में रहती हैं। शुक्रवार को पूनम की तबीयत खराब होने के कारण वह घर में ताला लगाकर मुरैना स्थित अपनी ससुराल चली गईं। जिसके बाद चोरों ने बीती रात सूने घर के ताले चटकाकर घर से करीब 9 तोला सोने के जेवर, एक किलो चांदी के जेवर और 28 हजार रुपए नकद चुरा लिए। चोरी का पता उस समय चला जब पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा हुआ देखा। इसकी सूचना उन्होंने तुरंत पूनम और पुरानी छावनी पुलिस को दी। चोरी की खबर पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पूनम ने बताया कि चोर घर से सोने का हार, चेन, मंगलसूत्र, सूई धागा, बाली और छह अंगूठियां सहित चांदी की करधनी, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा, पायजेब और ब्रेसलेट व नगदी चोरी कर ले गये हैं। चोरों ने दरवाजे की कुंडी काटकर घर में प्रवेश किया।

पुलिस ने चोरों की तलाश में आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज देखी। इसमें दो चोर घर में घुसते नजर आए है। एक चोर ताला तोड़ता रहा, जबकि दूसरा निगरानी करता रहा। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

महिला डॉक्टर ने फांसी लगाकर दी जान

ग्वालियर। जीआरएमसी गर्ल्स हॉस्टल में महिला डॉक्टर ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना कंपू थाना क्षेत्र के जीआरएमसी के जमुना हॉस्टल में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 11 से 12 बजे के बीच की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची ओर जांच के बाद मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कंपू थाना क्षेत्र स्थित जीआरएमसी के जमुना हॉस्टल में 31 वर्षीय रेखा रघुवंशी पुत्री भानू प्रताप रघुवंशी महिला डॉक्टर है और वह डीएम न्यूरोलॉजी की पढ़ाई कर रही है। बीती रात अपने कमरे में उसने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलते ही महिला डॉक्टर के पिता भानूप्रताप व भाई से रोहित ग्वालियर आ गए है। भाई का कहना है कि एक दिन पहले बात हुई थी और वह नॉर्मल थी। महिला डॉक्टर की मौत का पता लगाने के लिए उसका पीएम पेनल से कराया जा रहा है। वहीं पुलिस ने जांच के लिए उसका मोबाइल जब्त कर लिया है।

फेसबुक फ्रेंड ने किया दुष्कर्म, फोटो वायरल करने की धमकी देकर किया शोषण

ग्वालियर। महिला से मिलने आए फेसबुक फेंड ने महिला मित्र को अकेला देखा तो जान से मारने की धमकी देकर रेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र न्यू गणेश विहार कॉलोनी की है। अब जब पीडिता आरोपी के शोषण से तंग आ गई तो थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के न्यू गणेश विहार कॉलोनी निवासी तीस वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि दो साल पहले उसकी दोस्ती फेसबुक पर भिण्ड निवासी सतेन्द्र शर्मा उर्फ मिथुन से हुई थी। दोस्ती होने के बाद उनके बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी। एक साल पहले सतेन्द्र उससे मिलने के लिए उसके घर पर आया था। दोस्ती होने के चलते उसने उसे अंदर बिठाया, वहां पर उसे अकेला देखकर जान से मारने की धमकी देकर सतेन्द्र ने उसके साथ गलत काम किया। इसी बीच उसके अश्लील फोटो ले लिए। वारदात के बाद भी आरोपी उसके फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसका शोषण कर रहा था और साथ ही दबाव बनाता था कि वह अपने विकलांग पति को तलाक दे दे और वह उससे शादी कर लेगा। काफी समय से वह उसे धमकाकर उसके साथ गलत काम कर रहा था, अब वह उससे काफी परेशान हो गई तो थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिए एक पुलिस पार्टी भिण्ड के लिए रवाना कर दी है।

हमारी संस्कृति और सभ्यता में नारी का अद्वितीय स्थान : आशीष अग्रवाल

- अग्रवाल नारी शक्ति फाउंडेशन ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, प्रतिभाएं सम्मानित

ग्वालियर। अग्रवाल नारी शक्ति फाउंडेशन द्वारा होटल वीलवयू में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बहनों ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा और श्रृंगार में गणगौर थीम पर नृत्य व संगीत की प्रस्तुति दी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल एवं डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता दिखाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती शशि गर्ग, संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रेणू मंगल, सचिव श्रीमती रूचि मित्तल सहित संस्था की पदाधिकारी एवं बहनें उपस्थित रहीं।

अग्रवाल नारी शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती शशि गर्ग के मार्गदर्शन में यह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बहनों ने अपनी कला और सांस्कृतिक धरोहर को मनमोहक तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा और श्रृंगार में सजे-धजे बहनों ने गणगौर की थीम पर नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियां दीं, जो भारतीय संस्कृति की सुंदरता और विविधता को दर्शाने का बेहतरीन उदाहरण था। गणगौर, जो राजस्थान का प्रसिद्ध त्योहार है, नारी शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इस आयोजन में नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में महिलाओं ने अपनी कला और परंपराओं को जीवित रखा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में पंक्चुअलिटी की विजेता श्रीमती वंदना गर्ग रहीं। गणगौर प्रतियोगिता में पहले स्थान पर श्रीमती प्रियंका बंसल और दूसरे स्थान पर श्रीमती दीपिका अग्रवाल रहीं। यस नो गेम में पहला स्थान नमिता अग्रवाल और दूसरा स्थान श्रीमती भावना अग्रवाल ने प्राप्त किया। जबकि गणगौर क्वीन से भी महिलाओं को क्राउन से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने कहा कि हमारी संस्कृति और सभ्यता में नारी का स्थान अत्यंत विशेष है। नारी की महिमा का सही अर्थ कोई भी वाणी और शब्द नहीं व्यक्त कर सकते। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में देवों के नाम के साथ सबसे पहले नारी का नाम लिया जाता है। जैसे जब हम भगवान श्रीराम का नाम लेते हैं तो हम ÷सीताराम÷ कहते हैं, श्याम का नाम लेते हैं तो ÷राधेश्याम÷ कहते हैं और शिव का नाम लेते हैं तो ÷पतत् पार्वती पति÷ कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस संसार की मुख्य व्यवस्थाएं, जैसे रक्षा, वित्त और शिक्षा भी नारी के रूप में समर्पित हैं। रक्षा का रूप मां दुर्गा है, वित्त की देवी मां लक्ष्मी है और शिक्षा की देवी मां सरस्वती हैं। नारी वह रूप है जो देने में पूर्णता को दर्शाता है और उसका हृदय कोमल होता है। लेकिन जब आवश्यकता पड़े, तो वह दुर्गा के रूप में भी कड़ा रूप धारण कर सकती है। अगर नारी सामाजिक एकता को आगे बढ़ाने का जिम्मा ले, तो कोई भी शक्ति उसे रोकने में सक्षम नहीं हो सकती। आप सभी ने जिस भाव से मां गणपौर की आराधना की है, मां आप सभी की हर इच्छा जरूर पूरी करेंगी। इस अवसर पर फाउंडेशन की कोषाध्यक्ष श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती दीपिका अग्रवाल, श्रीमती दीपिका मित्तल, कार्यक्रम कन्वीनर श्रीमती अनु अग्रवाल, श्रीमती मधु अग्रवाल, श्रीमती संगीता गर्ग, श्रीमती संगीता बंसल, श्रीमती अनीता गर्ग, श्रीमती मीना अग्रवाल सहित संस्था की पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं निगम आयुक्त ने पृथ्वी तालाब पर किया वृक्षारोपण

ग्वालियर। जल संरक्षण और संवर्धन के लिये प्रदेश भर में 30 मार्च से 30 जून तक ÷जल गंगा संवर्धन÷ अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में जल संरचनाओं को संरक्षित करने के कार्य हाथ में लिए गए हैं। ग्वालियर जिले में शहरी क्षेत्र में वार्ड-61 के पृथ्वी तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य हाथ में लिया गया है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में घाटीगाँव की ग्राम पंचायत निरावली के ग्राम वीरपुरा तालाब के संरक्षण का कार्य हाथ में लिया गया है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं निगम आयुक्त संघ प्रिय ने रविवार को वार्ड क्रमांक 61 में स्थित पृथ्वी तालाब के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिये आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर जन सहभागिता से जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा बड़ी संख्या में वृक्षारोपण भी किया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि शहरी क्षेत्र के अधिक से अधिक जल संरचनाओं के संरक्षण और संवर्धन के कार्य हाथ में लिए जाएं। शहरी

क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी जल संरक्षण व जल संवर्धन के कार्यों को किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने अधिकारियों से यह भी कहा है कि जल संरक्षण के कार्य में सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और अधिक से अधिक लोगों का सहयोग और सहभागिता के साथ कार्य किया जाए। ÷जल गंगा संवर्धन÷ अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में भी घाटीगाँव ग्राम पंचायत के ग्राम वीरपुरा में स्थित तालाब की पार को मजबूत करने का कार्य श्रमदान के माध्यम से प्रारंभ किया गया। तालाब को मजबूत करने के लिये किए गए श्रमदान के उपरांत ग्राम में चौपाल आयोजित कर जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह, सीईओ जिला पंचायत विवेक कुमार, अपर आयुक्त नगर निगम मुनीष सिकरवार, विजय राज सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सेवादल केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का प्रतीक है: डॉ देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सार्वजनिक स्थान पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के तहत

मार्च माह के अंतिम रविवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्माएवं कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष हरेन्द्र गुर्जर ने गोल पहाड़िया ब्लॉक के अंतर्गत वार्ड 41 चाबड़ी बाजार बिजलीघर तिराहा मोर बाजार पर ध्वजारोहण किया।

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि सेवादल कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी है यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि विचारधारा, समर्पण और राष्ट्र सेवा का प्रतीक है। साथ ही कांग्रेस की आत्मा और शक्ति का एक अभिन्न हिस्सा है। सेवादल के कार्यकर्ता हमेशा निस्वार्थ भाव से देश और समाज की सेवा करते हैं। कांग्रेस का यह संगठन अनुशासन, ईमानदारी और बलिदान की भावना को सदैव मजबूत करता है। कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित ऐसे ध्वजारोहण कार्यक्रम एक अच्छी पहल है जिससे आमजन मानस में देशहित की भावना का एक अच्छा संदेश जाएगा। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चौरसिया, ब्लाक अध्यक्ष राजेश बाबू, बेताल सिंह, सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष आदित्य सेंगर, मंडलम अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, कुलदीप मगरैया, पिंटू शाक्यवार, मन्नालाल खरे, गोविंद अग्रवाल, राशीद उस्मानी, राहुल वर्मा, मनीष शर्मा, मुकेश चौरसिया, मोइनुद्दीन खान, आशिक उस्मानी, सफीउल्ला खान, विठ्ठल राठी, लखन खराले, इरशाद खान उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सेवादल के कार्यवाहक अध्यक्ष तरूण यादव ने किया।

भरतनाट्यम से राम कथा, जम्मू के डोगरी नृत्य ने मोहा मन

ग्वालियर। तैरते हुए मंच पर लोक वाद्यों की धुन पारंपरिक नृत्य और और संगीत की ध्वनि से नव वर्ष का स्वागत करते युवा कलाकार तो दूसरी तरफ अर्घ्य देकर नव वर्ष के सूर्य का स्वागत भी शहर भर के लोगो द्वारा किया गया। ये सब देखने को मिला जल विहार में जहां रविवार को कालयुक्तनाम नव संवत्सर 2082 का स्वागतोत्सव हुआ। संस्कार भारती और नगर निगम की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम दो चरणों में हुआ। पहला चरण सुबह स्वागतोत्सव के रूप में तो दूसरा लोक कला महोत्सव के रूप में चला।दोनों ही चरण भारतीय संस्कृति की झलक दिखलाते दिखे।

सुबह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बंगाली समाज द्वारा देवी स्तुति पर आगोमोनी की प्रस्तुति हुई, जिसमें मां दुर्गा के कई रूपों को दिखाने की कोशिश की गई। फिर दतिया के लोकवाद्य कचहरी का सुंदर प्रस्तुतिकरण हुआ। विनोद मिश्र और उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत इस कचहरी में तुरही, शंख, झालर, नागफनी,

इकतारा आदि दुर्लभ वाद्ययंत्रों से सूर्य का अभिवादन किया गया। फिर जगत नारायण द्वारा पखावज को चौताल में प्रस्तुत किया। उनके साथ सारंगी पर लहरा संगति अब्दुल हमीद ने की। अगली प्रस्तुति डॉ मोनिका श्रीवास्तव समूह द्वारा राग वसंत में शिव स्तुति, राधा कृष्ण नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति हुई। इसी क्रम में रंग सृष्टि संस्थान द्वारा राम चरित्र का सुंदर वर्णन भरतनाट्यम के माध्यम से किया गया। इसके बाद शिखा समूह द्वारा राधा कृष्ण की गोपियों संग होरी को आकर्षक कथक नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। नृत्य के क्रम में विपिन राठौड़ समूह द्वारा कथक में ठुमरी की प्रस्तुति हुई। फिर शालिनी भटनागर समूह द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति हुई। फिर कृष्णा कदम द्वारा महाभारत संग्राम को नृत्य के माध्यम से पेश किया गया। रेडियंट स्कूल की ओर से योग मुद्राओं को दिखाया गया। राधे प्रिया समूह की ओर से भरतनाट्यम द्वारा मां आदि शक्ति के रूपो का वर्णन किया गया। अंतिम प्रस्तुति माइकल समूह द्वारा देशभक्ति गीत पर डांस की सुंदर प्रस्तुति हुई।

सुबह के चरण की शुरुआत संकीर्तन यात्रा से हुई। उसके बाद लक्ष्मी धवल द्वारा ज्योति कलश छलके... गीत, फिर ध्येय गीत, सर्व धर्म प्रार्थना के बाद नरेंद्र कुंटे द्वारा प्रस्तुत सुप्रभात गायन हुआ। नवनीत कौशल द्वारा संकल्प गीत फिर निवेदन गीत की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम संचालन प्रदीप दीक्षित, अनामिका अग्रवाल, दिनेश चंद्र दुबे और ने बृज किशोर दीक्षित ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, संस्कार भारती के महानगर अध्यक्ष डॉ संजय धवले, कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश चंद्र दुबे, महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार, सहमहामंत्री डॉ मानव महंत और कोषाध्यक्ष आशुतोष वाजपेयी सहित अतुल अधोलिया, अनीता करकरे, संयोजक शेखर दीक्षित, प्रदीप दीक्षित उपस्थित थे।

कांग्रेस ही सर्वहारा वर्ग की भलाई के लिए कार्य करती है: विधायक सिकरवार

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सर्वहारा वर्ग की भलाई के लिए कार्य करती है और सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है। विकास व प्रगति को कांग्रेस ने ही गति दी और देश में चहुमुखी विकास किया। देश में मंहगाई, बेरोजगारी पर भाजपा सरकार ध्यान नही दे रही है, सभी वर्ग परेशान है। देश में बदलाव की हवा चल रही है और आप सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से आने वाले समय में देश एवं प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होगी जो जनता की भलाई एवं विकास के लिये कार्य करेगी। यह विचार कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 21 के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बृहद बैठक में व्यक्त किये।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी, उपवनमण्डल शिवपुरी (म.प्र.)
Mob. - 9424794738, Email id - sdoftshivpuri@mp.gov.in

//सूचना//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, वन परिक्षेत्र शिवपुरी के वन स्टाफ द्वारा वन भ्रमण के दौरान एक सुजुकी मेक्स 100 **TVS** मोटर साइकिल रजिस्ट्रेशन नं. **MP08E3023** एवं **3X2** वर्ग फुट के 02 नग पत्थर फर्सी का अवैध उत्खनन कर अवैध परिवहन करते हुए बीट मझेरा के कक्ष क्र. आर.एफ. 51 में, जप्त किया जाकर पी.ओ.आर. क्र. 997/12 दि. 28.06.2022 को पंजीबद्ध किया गया था।

उक्त जप्त सुजुकी मेक्स 100 **TVS** मोटर साइकिल रजिस्ट्रेशन नं. **MP08E3023** के संबंध में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41 के अंतर्गत बने मध्यप्रदेश वनोपज परिवहन अभिवहन के नियम 2000 के अंतर्गत राजसात की कार्यवाही प्रचलित है। उक्त वाहन के स्वामी एवं हितबद्ध व्यक्ति को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त वाहन के संबंध में अपना पक्ष समर्थन सूचना प्रकाशन के 10 दिवस के अंदर प्रस्तुत करें। अनुपस्थिति की दशा में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

(एल्विन बर्मन)
प्राधिकृत अधिकारी एवं
उपवनमण्डलाधिकारी
उप वनमण्डल शिवपुरी (म.प्र.)

G24941/24

संपादकीय

पाकिस्तानी मानसिकता, हरकतों से बाज नहीं आ रहा पड़ोसी देश

पाकिस्तान का अंध भारत विरोध लाइलाज हो गया है। इसीलिए पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के दमन और उत्पीड़न का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर को यह कहना पड़ा कि हम इस पड़ोसी देश की कट्टर मानसिकता को नहीं बदल सकते। यह सही भी है क्योंकि आतंकी संगठनों को पालने-पोसने की अपनी नीति के चलते वह आर्थिक रूप से बदहाल है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश के दो आतंकियों के मारे जाने से फिर से यह सिद्ध हुआ कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। इसकी पुष्टि इससे भी होती है कि ये दोनों आतंकी पाकिस्तान से ही आए थे। सुरक्षा बलों ने गत दिवस इनके बचे हुए साथियों को जम्मू संभाग के ही एक अन्य इलाके में घेरा। देर-सबेर ये भी मारे जाएंगे, लेकिन यह आवश्यक है कि उनका सफाया करते समय सुरक्षा बल सतर्कता बरतें, ताकि किसी तरह क्षति न उठानी पड़े। यह अच्छा नहीं हुआ कि कठुआ में आतंकियों से मुठभेड़ करते समय जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार जवानों को अपना सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा। कठुआ के जंगलों में पाकिस्तान से आए आतंकियों की तलाश यही बताती है कि वे सीमा पार से घुसपैठ करने में समर्थ बने हुए हैं। यह घुसपैठ पाकिस्तान के सहयोग और समर्थन के बिना संभव नहीं। भारत को इसे असंभव बनाने के लिए नए सिरे से कुछ जतन करने होंगे। इसलिए और भी अधिक, क्योंकि पिछले कुछ समय से यह साफ दिख रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद अंतिम सांसें ले रहा है। इसका प्रमाण इससे मिलता है कि वहां के अलगाववादी गुट मुख्यधारा में लौटने लगे हैं। हाल में चार अलगाववादी गुटों ने जिस तरह मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया, उससे यही रेखांकित होता है कि जम्मू-कश्मीर में यह धारणा प्रबल हो रही है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद एवं अलगाववाद निरर्थक है। कठिनाई यह है कि पाकिस्तान यह समझने के लिए तैयार नहीं कि वह एक हारी हुई और निरर्थक लड़ाई लड़ रहा है। पाकिस्तान का अंध भारत विरोध लाइलाज हो गया है। इसीलिए पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के दमन और उत्पीड़न का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर को यह कहना पड़ा कि हम इस पड़ोसी देश की कट्टर मानसिकता को नहीं बदल सकते। यह सही भी है, क्योंकि आतंकी संगठनों को पालने-पोसने की अपनी नीति के चलते वह आर्थिक रूप से बदहाल है और फिर भी जम्मू-कश्मीर को अस्थिर-अशांत करने की अपनी सनक छोड़ने के लिए तैयार नहीं। इन स्थितियों में भारत को उसे सही रास्ते पर लाने के लिए कुछ नया और अलग करना होगा। एक तो उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाना होगा और दूसरे यह सीधा संदेश देना होगा कि उसे जम्मू-कश्मीर में आतंक को बढ़ावा देने की कीमत चुकानी पड़ेगी। जब तक पाकिस्तान यह कीमत नहीं चुकाता, तब तक वह भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को प्रश्रय देता रहेगा और जम्मू-कश्मीर में उनकी घुसपैठ भी कराता रहेगा। बेहतर हो कि भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी आलोचना करते हुए ऐसी किसी रणनीति पर अमल भी करे, जिससे उसे यह आभास हो कि यदि वह अपनी हरकतें नहीं छोड़ता तो वह चैन से नहीं रह पाएगा।

कुछ लाख अंग्रेजों ने करोड़ों भारतीयों पर किया राज, अपने से नीचे तबके पर हमेशा शासन करता आया है धनाढ्य वर्ग

> ‘समाज की कुछ विडंबनाएं हमेशा हमारे सामने होती हैं, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। मगर जब कभी स्थिर मन से हम इस पर विचार करने लगते हैं, तब जाकर लगता है, सचमुच ये कैसी विडंबनाएं है, जो हमारे आसपास होते हुए भी हमसे दूर ही रहीं। ऐसा होना नहीं चाहिए था, लेकिन होता रहा और हम जाने-अनजाने उसे समझ सकने या उसे रोक पाने में असमर्थ रहे या हमने सचेतन उसे रोका नहीं’

लाखों के गहने बनाने वाले कारीगर उसे चाहकर भी खरीद नहीं पाते। वे गहने उनके हाथों से फिसलकर दूसरे हाथों तक पहुंचते हैं। मकान बनाने वाले कारीगरों का भी यही हाल है। कई मंजिला इमारत बनाने वाले कहीं झोपड़ी में ही रहते हैं। उनकी झोपड़ी का आसमान पास की ऊंची-ऊंची इमारतों से भी बड़ा होता है। समाज की कुछ विडंबनाएं हमेशा हमारे सामने होती हैं, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। मगर जब कभी स्थिर मन से हम इस पर विचार करने लगते हैं, तब जाकर लगता है, सचमुच ये कैसी विडंबनाएं है, जो हमारे आसपास होते हुए भी हमसे दूर ही रहीं। ऐसा होना नहीं चाहिए था, लेकिन होता रहा और हम जाने-अनजाने उसे समझ सकने या उसे रोक पाने में असमर्थ रहे या हमने सचेतन उसे रोका नहीं। इसे एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है कि एक मजदूर एक कुंतल वजन अनाज के बोरे को उठा सकता है, लेकिन उसकी आय और क्रयशक्ति इतनी नहीं है कि जरूरत होने पर भी वह आसानी से उसे खरीद सके। दूसरी ओर, जो व्यक्ति आसानी से एक कुंतल अनाज के बोरे को खरीद सकता है, वह उसे उठा नहीं पाता। पैठणी साड़ी के एक-एक धागे को बुनने वाली मजदूर महिला उसे खरीद नहीं सकती। वह साड़ी उसके हाथों में होती है और अगर उसके पास कहीं होती है तो बस उसके सपनों में। हाथों की लकीरें सपनों को बुनने का ही काम कर सकती हैं। इसी तरह कुछ और विडंबनाएं हैं। जैसे लाखों के गहने बनाने वाले कारीगर उसे चाहकर भी खरीद नहीं पाते। वे गहने उनके हाथों से फिसलकर दूसरे हाथों तक पहुंचते हैं। मकान बनाने वाले कारीगरों का भी यही हाल है। कई मंजिला इमारत बनाने वाले कहीं झोपड़ी में ही रहते हैं। उनकी झोपड़ी का आसमान पास की ऊंची-ऊंची इमारतों से भी बड़ा होता है। ऊंची इमारतें उनके लिए नहीं होती हैं। बल्कि जिन इमारतों को उन्होंने अपनी मेहनत से बनाया होता है, तैयार हो जाने के बाद उन इमारतों के परिसर में उनका प्रवेश प्रतिबंधित या शर्तों पर आधारित होता है। यह कैसी व्यवस्था है कि जिनके हाथों की वजह से हमारी जिंदगी आसान होती है, देश का निर्माण होता है, वही कई बार न्यूनतम सुविधाओं से भी वंचित होते हैं। बहरहाल, ये तो हुई सपनों की बातें। अब अगर इसे ही सच्चाई के धरातल से देखें तो हमें ककहरा पढ़ाने वाले शिक्षकों से आज हम बहुत ही आगे हैं। न केवल धन से, बल्कि कई स्तर पर ज्ञान से भी। पुराने शिक्षक जब मिलते हैं, तब अपनी उपलब्धि बताते हुए हम गर्व से भर उठते हैं। उस वक्त हम यह भूल जाते हैं कि हमारी इस ज्ञान की इमारत की बुनियाद में उसी शिक्षक का ककहरा होता है। कुछ इसी तरह की विडंबनाओं से होकर हमारा समाज गुजरता है। चूंकि हम भी समाज के ही एक अभिन्न अंग हैं, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम इन विडंबनाओं को समझें कि आखिर यह स्थिति आई ही क्यों? सामाजिक प्राणी होने के नाते भी हमें यह समझना होगा कि समाज के विकास में हमारा क्या योगदान है? देखा जाए, तो आज हम अपने समाज के विकास में कोई योगदान नहीं कर रहे हैं। चंदे के रूप में केवल बड़ी धनराशि दे देने से ही समाज का विकास नहीं हो सकता। इसके लिए चाहिए मानव श्रम। यह भी सच है कि मानव श्रम उसी धनराशि से खरीदा जा सकता है, पर इससे बात नहीं बनती। समाज के समग्र विकास के लिए उसे चाहिए तन-मन और धन से उसकी सेवा। धन देने के लिए सभी तैयार होते हैं, पर तन-मन देने के लिए कुछ लोग ही सामने आते हैं। जब ये लोग मिलकर समाज के लिए काम करते हैं, तो एक सर्वहारा वर्ग तैयार होता है। यही वर्ग आगे चलकर समाज का प्रतिनिधित्व करता है। वास्तविक अर्थों में समाज का यही वर्ग हर जगह दिखाई देता है। स्वतंत्रता के पहले कुछ लाख अंग्रेजों ने करोड़ों लोगों पर शासन किया। धनाढ्य वर्ग सदैव अपने से नीचे तबके के लोगों पर शासन करता आया है। इनकी छत्रछाया में सारे कार्य संपादित होते हैं। मूल कार्य इसी छोटे तबके के हिस्से में आता है और वे इसे कुशलतापूर्वक कर भी लेते हैं। एक तरह से यह संतोषी जीव होते हैं। बहुत ही थोड़े में ये अपना जीवन निर्वाह कर लेते हैं। इनकी इच्छाओं का आकाश बहुत ही छोटा होता है। इस आकाश के नीचे वे सभी समा जाते हैं। दूसरी ओर अनंत इच्छाओं के मालिक अपनी अपार संभावनाओं के चलते इस वर्ग को अपने साथ लेकर सामाजिक कार्य में अपना योगदान देते हैं। धनाढ्य वर्ग को समाज के विद्रूप दिखाई नहीं देते। अगर कोई विद्रूप दिखाई देता भी है, तो वे इसे अनदेखा कर देते हैं। इन्हीं विद्रूपों में छिपी होती है विडंबनाएं, जो दिखाती हैं समाज का असली चेहरा। इस सच से कोई इनकार नहीं कर सकता कि जो सच्चा होता है, हमारी दुनिया उसके लिए बहुत कम निर्धारित करती है, लेकिन जो अच्छे लोग उसका साथ देते हैं। मगर जो झूठा होता है, उसे मिलता तो बहुत कुछ है, पर उसके कठघरे में खड़ा होते ही आमतौर पर लोग उसका साथ नहीं देते। इसलिए विडंबनाओं पर जाने की जरूरत नहीं है। यह देखना चाहिए कि भले लोग, नैतिकता और प्रकृति किसके साथ है? जिसके साथ ये सब हैं, वह सुखी मानव है। जो इससे वंचित हैं, वे माया को ही ईश्वर मानते हैं और उसे ही बटोरने में लगे रहते हैं। यहां हम ईश्वर को प्रकृति भी कह सकते हैं। हमें इसकी उदारता की ओर देखना चाहिए। प्रकृति का उदारमना होना ही हमें अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देता है।

तकनीकी स्पर्धा का रोमांचकारी दौर, नवाचार और डिजिटल आर्थिकी के दूसरे चरण में प्रवेश के लिए तैयार भारत

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अब एक भू-राजनीतिक युद्ध के मैदान से बदला जा रहा है जहां यह मुकाबला चल रहा है कि तकनीक के भविष्य इसके मानकों और इसकी पहुंच को आकार देने में कौन बाजी मारेगा। इस अघोषित युद्ध के मैदान को समझने की जरूरत है। इसमें न तो यह देखा जा रहा है कि कौन आइपी पंजीकृत करता है न ही यह वैज्ञानिक मान्यता की स्पर्धा है। अमेरिकी मतदाताओं ने 7 नवंबर 2024 को एक बड़ा फैसला लिया। नए राष्ट्रपति के चुनाव से कहीं अधिक यह वामपंथ और वैश्विकवाद से हटकर ‘अमेरिका फर्स्ट’ यानी अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देने के लिए वोट करने का फैसला था। यह बदलाव वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य और प्रौद्योगिकी के आगामी दशक अर्थात ‘टेकेड’ को भी नए सिरे से परिभाषित करता है। राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी पारी की शुरुआत के बाद से वह निरंतर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस क्रम में वह अपनी नई रणनीतियों को मूर्त रूप देते जा रहे हैं या उसके प्रति संकल्प दोहरा रहे हैं। इसमें पूर्व के राष्ट्रपतियों की गूढ़ता, सूक्ष्मता, क्रमिकता और वैश्विकता का कोई अंश नहीं है और न ही कोई अनिश्चय का भाव। इलेक्ट्रानिक्स के मोर्चे पर एपल इंक द्वारा 500 अरब डालर का निवेश, सेमीकान फैब्स में टीएसएमसी द्वारा 100 अरब डालर का निवेश, मासायोशी सोम सहित एक समूह का 500 अरब डालर का स्टारगेट एआइ निवेश, राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ रणनीति अपने समग्र प्रभावों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीव्र रफ्तार से विस्तार ले रही तकनीकी एवं नवाचारी अर्थव्यवस्था में गहरे परिवर्तनों का आधार बन रही है। स्पष्ट है कि अगला टेकेड पिछले दशक जैसा नहीं रहेगा। प्रौद्योगिकी को वैश्विक सहयोग के क्षेत्र के रूप में देखा जाता था, जिसमें विशेषकर इंटरनेट पूरी दुनिया को जोड़ने का आधार बना। विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ से एक अर्थ में इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखलाओं के इस प्रकार के रचनात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहन मिला। हालांकि इन सभी संकेतों और अस्पष्ट लक्ष्यों से इतर एक पहलू यह भी है कि चीन का अपना एक पृथक इंटरनेट और डाटा इकोनमी-इकोसिस्टम है, जिसमें उसके अपने बाजारों तक सीमित पहुंच है। चीन ने पश्चिम से टेक आरएंडडी अपनाकर अपने संदिग्ध तौर-तरीकों से वैश्विक जीवीसी में पहले मजबूती से उपस्थिति दर्ज कराई और कालांतर में प्रौद्योगिकी परिदृश्य पर लंबे समय से अग्रणी रहने वाले अमेरिका के लिए एक प्रतिस्पर्धी के रूप में भी वह उभरा है। इसी क्रम में उभरती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ जैसी नई तकनीक में चीनी डीपसीक ने अमेरिकी के संभावित प्रभुत्व को चुनौती देने का काम किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रौद्योगिकी परिवर्तनकारी होती है और यह नई व्यवस्था का निर्माण करेगी। उससे यही अपेक्षा भी है, लेकिन दुनिया के अधिकांश देशों की सरकारें इसे महज सक्षम बनाने की भूमिका में रही हैं। शायद चीन को छोड़कर, जिसने पिछले दो दशकों से अदृश्य होकर अर्थात गोरिल्ला रणनीति के साथ प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया है और हाल में अमेरिका द्वारा निर्यात नियंत्रण व्यवस्था कायम करने के बाद इसकी गति तेज कर दी है। डब्ल्यूटीओ के नेतृत्व वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अब एक भू-राजनीतिक युद्ध के मैदान से बदला जा रहा है, जहां यह मुकाबला चल रहा है कि तकनीक के भविष्य, इसके मानकों और इसकी पहुंच को आकार देने में कौन बाजी मारेगा। इस अघोषित युद्ध के मैदान को समझने की जरूरत है। इसमें न तो यह देखा जा रहा है कि कौन आइपी पंजीकृत करता है, न ही यह वैज्ञानिक मान्यता की स्पर्धा है। इसे महज बुद्धि या विचारों की लड़ाई भी नहीं कहा जा सकता। इस नई दौड़ का मुख्य उद्देश्य नए तरह के हथियारों की होड़ है। वस्तुतः, यह अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास की दौड़ में सफल और विफल रहने वालों की स्पर्धा है। दुनिया कोविड महामारी के बाद भी अब तक उसकी मार और असर से उबर भी नहीं पाई कि यूरोप एवं पश्चिम एशिया के हिंसक टकरावों ने उसे और और अस्थिर किया है। ऐसी स्थिति में प्रौद्योगिकी ही आर्थिक विकास, समृद्धि एवं रोजगार सृजन को वापस पटरी पर लाने और लागत कम करने के अवसर दे सकती है। आमतौर पर उभरती हुई तकनीक के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर प्रचार होता है। विशेष रूप से एआइ के बारे में यह जानना जरूरी है कि एआइ के लिए वास्तविक बेंचमार्क किसी उद्यम एवं राष्ट्र का आर्थिक विकास और सकल मूल्य वर्धन यानी जीवीए को प्रभावित करता है। एआइ की यही दशा-दिशा आगामी टेकेड की नियति को निर्धारित करेगी। यह ऐसा टेकेड है, जिसके लिए अब केवल सामान्य कौशल और शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए बहुत उच्च स्तर के अनुभव और क्षमताओं की आवश्यकता होगी। निःसंदेह बदलते हालात में भारत के लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं पर असर देखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 में डिजिटल इंडिया लांच करने के बाद मैं उन लोगों में से एक हूं, जो तकनीक और नवाचार में भारत की प्रगति और विकास के भविष्य को देख रहे हैं। आर्थिकी के विकास और इसे वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी एवं प्रभावशाली बनाने को लेकर भारत की दोनों महत्वाकांक्षाओं में एआइ, सेमीकान और इलेक्ट्रानिक्स में तकनीकी नवाचार की भी एक बड़ी भागीदारी होगी। भारत ने पिछले आठ-नौ वर्षों के दौरान अपने नवाचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था के पहले चरण को सफलता के साथ आगे बढ़ाया और अब दूसरे चरण में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारी अपनी आर्थिक रणनीति जो एफडीआइ और सार्वजनिक निवेश पर आधारित थी, वह आने वाले वर्षों में निजी खपत और निजी निवेश से अधिक संचालित होगी। तकनीक और नवाचार विशेष रूप से गहन प्रौद्योगिकी, क्षमताओं और कौशल जैसे एआइ, सेमीकान, इलेक्ट्रानिक्स के इन नए क्षेत्रों में पूंजी और निवेश के लिए अन्य देशों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होगी, लेकिन हमारी प्रतिभा एक ऐसी संपत्ति है, जो प्रतिस्पर्धा के पैमाने पर हमारा पलड़ा भारी कर सकती है। यह दूसरा चरण हमारे इंडिया टेकेड और विकसित भारत का प्रवेश द्वार भी है। ये दोनों लक्ष्य जिन्हें हम सामूहिक रूप से एक राष्ट्र के रूप में प्राप्त कर सकते हैं, जिन्हें हमें अवश्य प्राप्त करना चाहिए। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अधिक प्रतिस्पर्धी टेकेड में सफल बनना होगा। इसलिए तैयार रहिए 2025 में रोमांचकारी सफर का अनुभव मिलने जा रहा है।

पढ़ते समय क्यों सो जाता हूं?

> कुछ लोग कम सोते हैं जबकि कुछ लोग ज्यादा सोते हैं। वैसे, जिन लोगों को नींद आने में परेशानी होती है, अगर उन्हें किताबें पढ़ने को दी जाएं तो वे सोने लगते हैं या झपकी लेने लगते हैं। हालांकि, यह समस्या पढ़ने वाले बच्चों में अधिक आम है। हालांकि माता-पिता बच्चों की इस समस्या पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं,

आपने अक्सर माता-पिता को यह शिकायत करते देखा होगा कि उनके बच्चे किताबें खोलते ही सो जाते हैं। ऐसा केवल छात्रों के साथ ही नहीं बल्कि वयस्कों के साथ भी होता है। जैसे ही आप अखबार या किताब पढ़ना शुरू करते हैं, आपकी आंखें नींद से भर जाती हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे क्या कारण है... कुछ लोग कम सोते हैं जबकि कुछ लोग ज्यादा सोते हैं। वैसे, जिन लोगों को नींद आने में परेशानी होती है, अगर उन्हें किताबें पढ़ने को दी जाएं तो वे सोने लगते हैं या झपकी लेने लगते हैं। हालाँकि, यह समस्या पढ़ने वाले बच्चों में अधिक आम है। हालांकि माता-पिता बच्चों की इस समस्या पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों की इस समस्या पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए जो भी उपाय अपनाए जा सकते हैं, उन्हें अपनाकर नींद न आने की समस्या को खत्म करना जरूरी है, अन्यथा यह आपकी याददाश्त का दुश्मन बन जाएगा। अब बात करते हैं सोते समय नींद आने के विज्ञान की। दरअसल, जब भी हम पढ़ना शुरू करते हैं, तो हमारी आंखों पर अधिक दबाव पड़ता है, जबकि मस्तिष्क कंप्यूटर की मेमोरी की तरह डेटा फीड करता है। ऐसी स्थिति में आंखों की मांसपेशियां शिथिल होने

लगती हैं और कुछ ही देर में हमारा मस्तिष्क काम करने से मना करने लगता है और हमें नींद आने लगती है। पढ़ाई करते समय नींद आने से बचने के लिए अध्ययन क्षेत्र में अच्छी रोशनी रखनी चाहिए। पढ़ाई के लिए ऐसा स्थान चुनें जहां बाहरी हवा और रोशनी आती हो, ताकि शरीर तरोताजा रहे। दूसरा कारण यह है कि पढ़ते समय हमारा अधिकांश शरीर आराम की स्थिति में होता है और केवल मस्तिष्क और आंखें ही काम कर रही होती हैं। ऐसी स्थिति में पूरे शरीर को आराम देने से मांसपेशियां शिथिल होने लगती हैं और व्यक्ति को नींद आ जाती है। इसीलिए कहा जाता है कि एक आसन में बैठकर पढ़ना चाहिए। कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें, बल्कि कुर्सी या मेज पर बैठकर किताबें पढ़ने का अभ्यास करें। कुर्सी और मेज को देखकर पढ़ाई के लिए मन तैयार होगा और आलस्य रुकेगा। पढ़ाई करने से पहले हल्का भोजन करें ताकि आपको सुस्ती महसूस न हो क्योंकि खाने के बाद भी आपको नींद आती है। जब भी हमारा शरीर आराम करता है, तो वह नींद की अवस्था में चला जाता है। सिर्फ पढ़ते ही नहीं, आपने लोगों को कार में यात्रा करते समय सोते हुए भी देखा होगा। यहां भी वही विज्ञान काम करता है। इतना ही नहीं, हाईवे पर वाहन चालकों को भी नींद आने लगती है, क्योंकि शरीर आराम करने के साथ-साथ उनका मस्तिष्क और आंखें भी काम कर रही होती हैं।

सेहत के लिए हानिकारक बोतल बंद पानी उच्च जोखिम में शामिल

> भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरणों ने पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर (बोतलबंद पानी) को हाई रिस्क हाई रिस्क फूड कैटेगरी में शामिल किया है। एफएसएसएआई ने नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अब सभी बोतलबंद पानी बचने वाली कंपनियों की साल में एक बार जांच होगी. पानी की क्वालिटी चेक के लिए यह काम किया जाएगा।

एफएसएसएआई ने बोतलबंद पानी को हाई रिस्क फूड कैटेगरी में शामिल किया है। अब सभी बोतलबंद पानी बेचने वाली कंपनियों की साल में एक बार जांच होगी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि बोतलबंद पानी में माइक्रो प्लास्टिक होते हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरणों ने पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर (बोतलबंद पानी) को हाई रिस्क हाई रिस्क फूड कैटेगरी में शामिल किया है। एफएसएसएआई ने नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अब सभी बोतलबंद पानी बचने वाली कंपनियों की साल में एक बार जांच होगी. पानी की क्वालिटी चेक के लिए यह काम किया जाएगा। अब सवाल यह है कि एफएसएसएआई ने बोतलबंद पानी को हाई रिस्क कैटेगरी में शामिल क्यों किया है। इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। डॉ. कहते हैं कि बहुत देर के बाद यह कदम उठाया गया है. बहुत समय से लोग प्लास्टिक की पानी की बोतल से पानी पी रहे हैं, जिससे माइक्रो प्लास्टिक शरीर के अंदर जा रहा है. माइक्रो प्लास्टिक लोगों के ब्रेन में भी जा रहा है. इसलिए एफएसएसएआई ने जो भी नए नियम बनाए हैं इसको तुरंत लागू करने की जरूरत है। चिकित्सक कहते हैं कि कुछ बड़े होटलों ने शीशे की बोतलों में पानी देना बहुत पहले से ही

शुरू कर दिया है, क्योंकि उन्हें पता था कि बोतलबंद पानी में माइक्रो प्लास्टिक शरीर को नुकसान कर रहा है। पहले लोग लोग मटके का पानी पीते थे लेकिन अब ना तो घर में मटका है और न ही सुरई है. अब इनकी जगह प्लास्टिक की बोतलों ने ले ली है। इन बोतलों में प्लास्टिक के अलावा भी इसमें बहुत सारी दूसरी खतरनाक चीजें है जो शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आजकल पानी ही नहीं दूध भी प्लास्टिक की बोतल में आता है जिससे माइक्रो प्लास्टिक इंसान के शरीर में जाता है। हर चीज से माइक्रो प्लास्टिक अंदर जा रहा है इसलिए यह अच्छा कदम उठाया गया है। इस कदम को सख्ती से लागू करना चाहिए। अब लोगों को सलाह है कि प्लास्टिक की बोतल की जगह आपके पास जो पानी घर में आता है उसको ही उबालकर पी लें। इससे कोई नुकसान नहीं होता है। इस ओर भी ध्यान देना चाहिए कि खाद्य पदार्थों की पैकेंग कैसे हो कि सेहत को इससे नुकसान न हो, आने वाले कुछ समय बाद इसके इफेक्ट्स पता चलेंगे अभी भी लोगों की याददाश्त कमजोर हो रही है। कई तरह की बीमारियां हो रही है। इससे हार्ट डिजीज, कैंसर जैसी बड़ी बीमारियां होती है। माइक्रो प्लास्टिक के सेहत पर पड़ने वाले असर को लेकर भी कई तरह की रिसर्च हुई हैं। इनमें बताया गया है कि माइक्रोप्लास्टिक ब्रेन तक को नुकसान पहुंचाता है।

शुभमन गिल ने जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन की सराहना की

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के 9वें मुकाबले में शनिवार को गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 36 रन से जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 196 रनों का टारगेट सामने रखा। वहीं दूसरी पारी में मुंबई 20 ओवर में 160 रन ही बना सकी। पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन की सराहना की।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 ओवर में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव के विकेट लिए। उन्होंने 18 रन दिए और उनकी इकॉनमी 4.5 रही। इस मैच में गिल ने भी एक रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1000 आईपीएल रन भी पूरे कर लिए।

29 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। प्रसिद्ध ने एक ही बार में चार ओवर फेंके। जब वह गेंदबाजी करने आए तब मुंबई 97/2 पर थी। और टीम को आखिरी नौ ओवरों में 100 रन की जरूरत थी। उनके अलावा मोहम्मद सिराज ने भी 4 ओवर में 2 विकेट लिए, लेकिन 34 रन खर्च कर दिए।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच में 27 गेंदों पर 38 रनों की पारी खेली। गिल ने इस मैच में एक रिकॉर्ड बनाया। वे नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने।

गिल ने सिर्फ 20 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। गिल किसी एक वेन्यू पर सबसे तेज 1,000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। इससे पहले क्रिस गेल ने बेंगलुरु में 19 पारियों में यह कारनामा किया था। मैच में गुजरात के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाकर 63 रन बनाए।

आर्यना सबालेंका ने पहली बार मियामी ओपन जीता, अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराया

नई दिल्ली। बेलारूस की पहली सीड टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने शनिवार को अपना पहला मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में चौथी सीड अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया। जीतने पर आर्यना को 9.4 करोड़ रुपए प्राइज मनी मिली। आखरी बार आर्यना ने 2024 यूएस ओपन फाइनल में पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया था। वहीं उन्होंने 28 मार्च 2025 को हुए मियामी ओपन सेमीफाइनल मुकाबले में इटली की जस्मिन पाओलीनी को 6-2,6-2 से हराया था।

आर्याना सबालेंका इस साल 6 में से 4 इवेंट के फाइनल में पहुंची थी। हालांकि मियामी ओपन से पहले वो केवल ब्रिस्बेन में ही जीत पाई थी। उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन और इंडियन वेल्स के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।लगातार 2 साल ऑस्ट्रेलियन ओपन जीती थीं सबालेंका ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। जिसके बाद वो दो महीने तक वर्ल्ड नंबर 1 पर रहीं। उन्होंने उस साल इंटरनेशनल टेनिस एसोसिएशन का वर्ल्ड चैंपियन का अवॉर्ड भी जीता था। 2024 में उन्होंने लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता और एक अमेरिकी ओपन जीता और साल वर्ल्ड नंबर 1 रहते हुए खत्म किया।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने 29 मार्च को मियामी ओपन के मेंस सेमीफाइनल में जीत हासिल कर ली है। उन्होंने मुकाबले में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-2, 6-3 से हरा दिया। अब जोकोविच रविवार रात 12ः30 बजे फाइनल मैच में चेक रिपब्लिक के जैकब मेनसिक से भिड़ेंगे। जैकब मेनसिक की वर्ल्ड रैंकिंग 54 है।

हार्दिक पंड्या पर 12 लाख का जुर्माना

गुजरात के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा, बैन के कारण पहला मैच नहीं खेले थे

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर स्लो ओवर रेट के लिए बीसीसीआई ने 12 लाख का जुर्माना लगाया है।शनिवार को अहमदाबाद में आईपीएल-2025 का नौवां मैच गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया।

इस मैच में मुंबई की टीम टॉस जीतकर पहले फील्डिंग कर रही थी और निर्धारित समय में 20 ओवर नहीं फेंक पाई। टीम को इसी वजह से आखिरी ओवर में 30 यार्ड सर्कल में एक फील्डर ज्यादा रखना पड़ा।

मुंबई इंडियंस को 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा मुंबई इंडियंस को इस मैच में गुजरात टाइटंस से 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन ही बना सकी।

हार्दिक पिछले सीजन में 3 मैचों में स्लो ओवर फेंकने के बाद एक मैच का बैन लगा था। पिछले सीजन में तीन मैचों में स्लो ओवर रेट के लिए क्थ्ष्टद्घ ने हार्दिक पर जुर्माना लगाया था। आईपीएल -2024 में 30 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई की ओर से तीसरी बार स्लो ओवर रेट के लिए 30 लाख रुपए का जुर्माना के साथ ही टीम के कप्तान पर एक मैच का बैन लगा था।

चूंकि पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस का लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सीजन का आखिरी मैच था। ऐसे में इस सीजन के मुंबई के पहले मैच यानी 23 मार्च को हार्दिक चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। पिछले सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भी मुंबई पर स्लो ओवर रेट के लिए जुर्माना लगा था।

रोहित शर्मा तीन-चार साल पहले के रोहित शर्मा नहीं हैं - संजय मांजरेकर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने रोहित शर्मा के मौजूदा फॉर्म को लेकर बात की है। मुंबई का यह पूर्व कप्तान आईपीएल 2025 में दो मैचों फेल रहा है। इसको लेकर उनकी आलोचना भी हो रही है। खराब शुरुआत के चलते एमआई को अपने शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। मांजरेकर ने रोहित के फॉर्म को लेकर गंभीर तस्वीर पेश करते हुए कहा है कि इस सीनियर बल्लेबाज के हाथ से चीजें फिसल रही हैं। मांजरेकर ने कहा कि रोहित अपने करियर में एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उन्हें हर सुबह खुद को आगे बढ़ने के लिए धकेलना पड़ रहा है।

रोहित चेन्नई के खिलाफ पहले मैच में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि गुजरात के खिलाफ वह आठ रन बना सके थे। रोहित ने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास ले लिया था। उसके बाद आईपीएल 2025 उनका पहला टी20 टूर्नामेंट है। मांजरेकर ने कहा, रोहित शर्मा निश्चित तौर पर एक दौर से गुजर रहे हैं। वह तीन-चार साल पहले के रोहित शर्मा नहीं हैं। वह अपने करियर के एक ऐसे चरण में है जहां उन्हें हर सुबह खुद को आगे बढ़ने के लिए कहना होगा। उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ेगा, क्योंकि चीजें उनके हाथ से फिसल रही हैं। वह अभी भी अपनी प्राकृतिक प्रतिभा और प्रवृत्ति पर भरोसा कर रहे हैं।

एमआई ने जीटी के खिलाफ मैच 36 रन से गंवा दिया। यह मुंबई की लगातार दूसरी हार रही। पिछले दो मैचों में मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी का विश्लेषण करते हुए मांजरेकर ने कहा, दक्षिण अफ्रीकी होने के नाते रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा।

व्यापार

टेमासेक ने हल्दीराम में 10 प्रतिशत स्टेक खरीदने का एग्रीमेंट किया

8,555 करोड़ में डील हुई, 5-6 प्रतिशत एक्स्ट्रा हिस्सेदारी भी बेच सकती है कंपनी

नई दिल्ली। सिंगापुर की सॉवरेन इन्वेस्टमेंट फर्म टेमासेक ने हल्दीराम के स्नैक्स डिवीजन में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए एग्रीमेंट किया है। यह डील 1 बिलियन डॉलर (करीब 8,555 करोड़ रुपए) में हुई है। हल्दीराम ने 30 मार्च को बताया कि टेमासेक ने कंपनी के मौजूदा शेयर होल्डर्स के 10त्न हिस्सेदारी को खरीदा है।

दोनों पक्ष कई महीनों से इस डील के लिए बातचीत कर रहे थे। अमेरिका की प्राइवेट इक्विटी ब्लैकस्टोन ने भी हल्दीराम में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए ऑफर दिया था, लेकिन ये ऑफर कम वैल्यूएशन पर था। इसलिए हल्दीराम ने यह डील टेमासेक के साथ फाइनल की है।

यह सेल भारत के फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) क्षेत्र में हाल के सबसे बड़े लेन-देन में से एक है। बैंकर्स का कहना है कि हल्दीराम के प्रमोटर अगले साल के भीतर इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) लाने पर विचार कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हल्दीराम, टेमासेक को एक्स्ट्रा 5-6 प्रतिशत स्टेक बेचने पर विचार कर रही है। दोनों कंपनियों में इस डील को लेकर एडवांस स्टेज पर बातचीत चल रही है। ये खरीदारी 500 मिलियन डॉलर(4,277 करोड़ रुपए) में की जाएगी।

तीन फैमिली एनटीटी हल्दीराम ब्रांड ऑपरेट करती है

भारत में हल्दीराम ब्रांड का संचालन दिल्ली, नागपुर और कोलकाता में स्थित तीन अलग-अलग फैमिली एनटीटी द्वारा किया जाता है। हालांकि, दिल्ली और नागपुर फैमिली ने अपने एफएमसीजी बिजनेस हल्दीराम स्नैक्स और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल को एक सिंगल एनटीटी, हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में मर्ज कर दिया है।

पैकेज्ड स्नैक्स के अलावा, हल्दीराम रेस्टोरेंट की एक चेन भी ऑपरेट करता है। कंपनी 500 प्रकार के स्नैक्स, नमकीन, मिठाइयां, रेडी टू ईट और प्री-मिक्स्ड फूड आइटम्स बेचती है। हल्दीराम ने वित्त वर्ष 24 में 12,800 करोड़ रुपए का रेवेन्यू हासिल किया था।

.... शेष पृष्ठ एक का

आरएसएस अमर संस्कृति का वट वृक्ष : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। गुरु नानक देव, कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, संत तुकाराम, संत रामदेव, संत ज्ञानेश्वर जैसे महान संतों ने अपने मौलिक विचारों से समाज में प्राण फूंके। उन्होंने भेदभाव के बंधनों को तोड़कर समाज को एकता के सूत्र में बांधा।

» संघ की तारीफ

स्वामी विवेकानंद से लेकर डॉक्टर साहब तक, किसी ने भी राष्ट्रीय चेतना को बुझने नहीं दिया। राष्ट्रीय चेतना के जिस विचार का बीज 100 वर्ष पहले बोया गया था, वह आज एक महान वटवृक्ष के रूप में खड़ा है। सिद्धांत और आदर्श इस वटवृक्ष को ऊंचाई देते हैं, जबकि लाखों-करोड़ों स्वयंसेवक इसकी टहनियों के रूप में कार्य कर रहे हैं। संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारा शरीर परोपकार और सेवा के लिए ही है। जब सेवा संस्कार बन जाती है, तो साधना बन जाती है। यही साधना हर स्वयंसेवक की प्राणवायु होती है। यह सेवा संस्कार, यह साधना, यह प्राणवायु, पीढ़ी दर पीढ़ी हर स्वयंसेवक को तप और तपस्या के लिए प्रेरित करती है। उसे न थकने देती है और न ही रुकने देती है।

» आत्मविश्वास से भरा हुआ युवा धर्म से जुड़ा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। देश का युवा आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उसकी रिस्क-टेकिंग कैपेसिटी पहले से कई गुना बढ़ चुकी है। वह इनोवेशन कर रहा है, स्टार्टअप की दुनिया में परचम लहरा रहा है। अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करते हुए आगे बढ़ रहा है। महाकुंभ में हमने देखा कि लाखों-करोड़ों की संख्या में युवा पीढ़ी पहुंची और सनातन परंपरा से जुड़कर गौरव से भर उठी। भारत का युवा आज देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए काम कर रहा है। यही युवा 2047 के विकसित भारत की ध्वजा थामे हुए हैं। मुझे भरोसा है कि संगठन, समर्पण और सेवा की त्रिवेणी विकसित भारत की यात्रा को ऊर्जा और दिशा देती रहेगी।

» भारत अब मदद करने का केंद्र है

पीएम मोदी ने अपनी स्पीच में कहा कि %वसुधैव कुटुंबकम% का मंत्र आज विश्व के कोने-कोने में गूंज रहा है। जब कोविड जैसी महामारी आती है, तो भारत विश्व को परिवार मानकर वैक्सीन उपलब्ध कराता है। दुनिया में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, भारत सेवा के लिए तत्पर रहता है।

म्यांमार में भूकंप आया तो भारत ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत तुरंत मदद के लिए पहुंच गया। नेपाल में भूकंप हो, मालदीव में जल संकट हो, भारत ने सहायता देने में क्षणभर की भी देर नहीं की। युद्ध के हालात में भी भारत दूसरे देशों के नागरिकों को सुरक्षित निकालकर लाता है। भारत अब ग्लोबल साउथ की आवाज भी बन रहा है। विश्व में बंधुत्व और सेवा की यह भावना हमारे संस्कारों का ही विस्तार है।

» हेल्थ सेक्टर की प्रगति

पीएम मोदी ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है। गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बेहतरीन इलाज मिले, कोई भी देशवासी जीवन जीने की गरिमा से वंचित न रहे। जो बुजुर्ग अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित कर चुके हैं, उन्हें इलाज की चिंता न सताए, ऐसी परिस्थितियों में उन्हें न जीना पड़े। यही सरकार की नीति है।

इसीलिए आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। हजारों जनऔषधि केंद्र गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। करीब एक हजार डायलिसिस सेंटर मुफ्त में डायलिसिस सेवा प्रदान कर रहे हैं, जिससे देशवासियों के हजारों करोड़ रुपये बच रहे हैं।

वीर महापुरूषों की गौरव गाथाओं का संकलन होगा उज्जैन के वीर भारत संग्रहालय में : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिसे चरितार्थ करने के लिए वीर भारत संग्रहालय में भारत की तेजस्विता और पराक्रम के विभिन्न आयामों को व्यापक रूप से प्रस्तुत किये जाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है। तेजस्विता और शौर्य हमारे जीवन, परंपरा, चित्त-वृत्ति, चिंतन-प्रकृति, दर्शन, जीवन मूल्य, आस्था और विश्वासों का स्वर है। हमारा प्रयास है कि वीर भारत संग्रहालय में राष्ट्र की सभी मंगलकारी दृष्टियों का प्रतिबिंबन हो। भारत वर्ष का प्रागैतिहास-पुरापाषाण काल, पूर्व वैदिक, वैदिक/उपनिषद, सरस्वती सिंधु घाटी सभ्यता, उत्तर वैदिक, श्रीराम के पूर्वज, श्रीकृष्ण के पूर्वज, रामायण काल, महाभारत काल, प्राचीन भारत की जनजातियों, महाजनपद काल, गौतम बुद्ध, महावीर, आदि शंकराचार्य, चंद्रगुप्त मौर्य, सम्राट विक्रमादित्य काल, सातवाहन, गुप्त साम्राज्य, चोल, पल्लव, भोजदेव, मध्ययुग, भक्ति काल, भारत के शूरवीर, पराधीनता के विरूद्ध सिंहनाद करते हुए भारत की सुदीर्घ परंपरा में तेजस्वी नायकों, चिंतकों, दार्शनिकों, मंत्रद्रष्टा, ऋषियों, संतों, मनीषियों, कवियों, लेखकों, कलाकारों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों के अनुपम योगदान को रेखांकित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि वीरभारत संग्रहालय युगयुगीन भारत के महानायकों की महागाथा का अनूठा केंद्र बनने जा रहा है। प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है कि यह उज्जैन में स्थापित होने जा रहा है। सनातन परंपरा से ही, सृष्टि के आरंभ से ही बाबा महाकाल और उनकी प्रिय उज्जयिनी विराजित है। भारत वर्ष प्रागैतिहासिक-पुरापुरापाषाण काल से ही मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास की कर्मभूमि रहा है। वीर भारत संग्रहालय में चाहे वैदिक काल हो, उपनिषद काल हो, रामायण महाभारत काल हो, हमारे ऋषि वैज्ञानिक हों, हमारे राष्ट्र के महानायक हों या फिर वे राजा महाराजा रहे हों, वैज्ञानिक रहे हों, साहित्यकार, इतिहासकार, खगोलविद हों, योद्धा हों, संन्यासी हों, उद्यमी रहे हो, ऐसे सभी प्रेरक चरित्रों को यादगार बनाने की कोशिश की जायेगी जिन्होंने भारत को तेजस्वी भारत बनाने का काम किया हो। मैंने निर्देश दिए हैं कि इस संग्रहालय जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे अकेला होगा, इसे समय सीमा में पूरा किया जाए, सिंहस्थ के पहले पूरा किया जाये। भारत वर्ष में विक्रमादित्य युग परिवर्तन और नवजागरण की एक महत्वपूर्ण धुरी रहे हैं, और उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम सम्वत् हमारी एक अत्यंत मूल्यवान धरोहर है।

यस बैंक पर आयकर विभाग की कार्रवाई, जारी किया 2209 करोड़ टैक्स की मांग का नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने यस बैंक को आकलन वर्ष 2019-20 के लिए 2,209 करोड़ रुपये टैक्स की मांग का नोटिस जारी किया है। इसमें 243.02 करोड़ रुपये का ब्याज भी शामिल है। यस बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। बैंक ने आगे फाइलिंग में कहा है कि आयकर विभाग के राष्ट्रीय फेसलेस मूल्यांकन यूनिट की ओर से 28 मार्च को पुनर्मूल्यांकन आदेश पारित किया गया है, जिसमें कोई अतिरिक्त अस्वीकृति नहीं किया गया है, अर्थात जिन आधारों पर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू की गई थी, उन्हें हटा दिया गया है। बैंक ने कहा कि इस प्रकार, अधिनियम की धारा 144 के तहत पारित मूल मूल्यांकन आदेश में निर्धारित कुल आय पुनर्मूल्यांकन आदेश में अपरिवर्तित रही है, और परिणामस्वरूप, बैंक के खिलाफ कोई मांग नहीं उठाई जानी चाहिए थी। हालांकि, इसके बावजूद अधिनियम की धारा 156 के तहत जारी की गई गणना शीट और मांग के नोटिस ने सम तिथि तक 2209.17 करोड़ रुपये की आयकर मांग (ब्याज सहित) उठाई है, जो बिना किसी आधार के प्रतीत होती है।उक्त निर्धारण वर्ष को आयकर विभाग ने अप्रैल 2023 में पुनः खोला था। यस बैंक का मानना है कि उसके पास इस मामले में अपनी स्थिति को उचित रूप से प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त आधार हैं और उक्त आदेश के कारण बैंक की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

.... शेष पृष्ठ एक का

विकसित भारत निर्माण के लिये स्वस्थ भारत जरूरीः केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान

से मरीजों को संवेदनायुक्त स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध होंगीं। कार्यक्रम में दंगल टीवी न्यूज प्रा.लि. के एमडी एवं आरोग्यधाम न्यास को अब तक लगभग 5 करोड़ रूपए की धनराशि दान में दे चुके मनीष सिंघल ने भी विचार व्यक्त किए। आरोग्यधाम न्यास के कोषाध्यक्ष अजय सिंह सेंगर ने आरोग्यधाम चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र द्वारा अब तक उपलब्ध कराई गईं स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय में उपलब्ध होने वाली अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी। आरंभ में अतिथिगणों ने गेंती फावड़ा से विधि विधान पूर्वक आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम का संचालन आरोग्यधाम संचालन समिति के सदस्य मधुसूदन भदौरिया ने किया। अंत में तराणेकर न्यास के सचिव सुरेश गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। समारोह में सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद भारत सिंह कुशवाह, सांसद भिण्ड श्रीमती संध्या राय व सांसद मुरैना शिवमंगल सिंह तोमर, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, श्रीमती इमरती देवी व लाल सिंह आर्य, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, रामलखन सिंह कुशवाह व अशोक अर्गल, विधायक मोहन सिंह राठौर, यशवंत इन्द्रापुरकर, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भेजा शुभकामना संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तराणेकर स्मृति सेवा न्यास द्वारा बनाए जा रहे आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय के लिये अपना शुभकामना संदेश भेजा। भूमिपूजन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संदेश का वाचन श्री मधुसूदन भदौरिया ने किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में तराणेकर स्मृति सेवा न्यास अग्रणी प्रकल्प के रूप में कार्य कर रहा है। आरोग्यधाम चिकित्सालय ग्वालियर द्वारा विगत 14 वर्ष से समाज के सभी वर्गों को ÷उचित मूल्य दृ उच्च गुणवत्ता सिद्धांत÷ पर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं, इससे चिकित्सालय ने समाज में विश्वास स्थापित किया है, यह एक सराहनीय पहल है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय चिकित्सा सुविधा के क्षेत्र में अपने सिद्धांतों के आधार पर सेवा देते हुए ग्वालियर ही नहीं, सम्पूर्ण प्रदेश व देश में अपनी विलक्षण पहचान का विस्तार करेगा। उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा है कि देश में शिक्षा व चिकित्सा का क्षेत्र व्यापक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान योजना के अंतर्गत वरिष्ठ जन सहित सभी नागरिकों को अनेक सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जीवन के लिए जल अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक : विधायक बिसाहू लाल सिंह

– अनूपपुर जिले में ग्राम भोलगढ़ से जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

– जिले में आज से 30 जून तक आयोजित होगा जल गंगा संवर्धन अभियान

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने कहा है कि जीवन के लिए जल बहुत ही महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये सभी नागरिकों को आगे आना होगा। जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए सभी नागरिकों को एकजुट होकर समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तालाबों को सहेजने की आवश्यकता है। सभी को मिलकर प्रयत्न करना होगा कि तालाबों में पानी हमेशा भरा रहे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पहल पर दूसरी बार जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पर्यावरण, प्रकृति तथा जल के संरक्षण के लिए महती भूमिका निभा रहा है। विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह आज अनूपपुर जिले के ग्राम पंचायत बरबसपुर के अंतर्गत ग्राम भोलगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में विधायक अनूपपुर द्वारा रहीम दास जी के दोहे ''रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून'' के माध्यम से जल के महत्व को लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा शुद्ध एवं स्वच्छ जल को घर-घर तक पहुंचाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन एवं प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान आज अर्थात 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जाएगा। उन्होंने सभी से अभियान में सहभागिता निभाने और जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अपना-अपना योगदान देने का आह्वान भी किया।

विधायक ने श्रमदान कर किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने ग्राम भोलगढ़ के ससन तालाब में श्रमदान कर जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया तथा जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लोगों का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने हेतु अपील भी की।

विधायक ने जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु दिलाई शपथ

विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शपथ दिलाई तथा जल के उपयोगिता के संबंध में लोगों को जागरुक भी किया।

जिले में लगभग 3739 जल स्त्रोत के संवर्धन के कार्य स्वीकृत

अनूपपुर जिले में लगभग 3739 जल स्त्रोत के संवर्धन के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसके अंतर्गत जनपद पंचायत अनूपपुर में 696 जनपद पंचायत जैतहरी में 1205 जनपद पंचायत कोतमा में 529 एवं जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में 1309 कर स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों में तालाब, कुआं,बावड़ी सहित अन्य जल स्त्रोतों को शामिल किया गया है।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी लाल बहादुर वर्मा, सरपंच बरबसपुर अन्य जन प्रतिनिधि सहित जिले के विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी व बड़ी संख्या में नागरिको ने सहभागिता की।

श्री झूलेलाल जन्मोत्सव, चेटीचंड पर्व के अवसर पर सिंधी धर्मशाला में सिंधी समाजजनों के द्वारा आयोजित किया गया लंगर

अनूपपुर। श्री झूलेलाल जयंती (चेटीचंड पर्व)के शुभ अवसर पर सिंधी धर्मशाला अनूपपुर में भारतीय सिंधु सभा (समाजजनों) के द्वारा बृहद लंगर का आयोजन किया गया था, नगर के सभी वर्गों के लोगों ने सिंधी धर्मशाला पहुंचकर लंगर चख।

भारतीय सिंधु महासभा अनूपपुर के अध्यक्ष तेजू माल भोजवानी, उपाध्यक्ष भगवान दास केवलानी, संरक्षक परसराम बाधवानी एवं प्रदीप चंदवानी, सुंदर दास थावनी, अमित भोजवानी, निखिल डाबरा, साजन दास केवलानी ,अमर गोल्डी केवलानी, नवीन केवलानी, पंकज भोजवानी आदि सिंधु समाज के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

अनूपपुर पुलिस को एयर कंडीशनर बस की मिली सौगात

– दिलीप जायसवाल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने पूजा अर्चन कर पुलिस विभाग अनूपपुर को प्रदान किया

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अनूपपुर पुलिस इकाई को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बस प्रदाय की गई है,जिसे आज दिलीप जायसवाल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा पूजा अर्चन कर पुलिस विभाग को समर्पित किया गया, कार्यक्रम में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, कलेक्टर हर्षल पंचोली,पुलिस अनूपपुर सुमित केरकेट्टा, रक्षित

अधीक्षक मोती उर रहमान जिला पंचायत मुख्य कार्य पालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एसडीओपी निरीक्षक ज्योति दुबे एवं पुलिस विभाग के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार कर रही है मजदूरों का शोषण: जयवर्धन सिंह

ग्वालियर। वर्तमान सरकार मजदूरों का शोषण करने में जुटी हुई है। मजदूरों को उनका हक नहीं मिल रहा है, जबकि ठेकेदार मुनाफा कमा रहे हैं। 20 साल में भाजपा के राज में हमारे प्रदेश में एक भी नया उद्योग स्थापित नहीं हुआ है। यह बात रविवार को ग्वालियर में पत्रकारों से चर्चा करते हुये कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहीं।

पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि हमको एक-एक ऐसे नौजवान के हक की लड़ाई लड़नी पड़ेगी, जो आउटसोर्स पर काम कर रहा है। जयवर्धन सिंह ने कहा कि हम जब ग्वालियर के विकास के बारे में बात कर रहे हैं तो बड़े आश्चर्य की बात है कि ऐसे अदभुत मंत्री है ग्वालियर में जो स्वयं विकास नहीं कर पा रहे हैं। यह मंत्री दूसरों को विकास करने के लिए बुला रहे हैं। आप काम नहीं कर पा रहे हो तो मंत्री क्यों बने हो। भारतीय जनता पार्टी के मंत्री द्वारा रेत माफिया को पेट माफिया कहे जाने के प्रश्न पर विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि मंत्री के परिचित लोग अवैध उत्खनन करते पकड़े गए हैं। इसीलिए संभवतः उन्होंने उन्हें पेट माफिया कहा है। जयवर्धन सिंह ने कहा कि इस समय भाजपा में दो गुट है पुरानी भाजपा और नई भाजपा। विधायक जयवर्धन ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भाजपा में एडजस्ट नहीं हो पा रहे हैं, क्योंकि जिस तरह से विजयपुर चुनाव में एक पक्ष ने प्रचार किया था दूसरा पक्ष वहां पर था ही नहीं।

भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के रिकार्ड तोडे: पटवारी

– प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष इंटक के 22वें प्रांतीय अधिवेशन में हुये शामिल

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में जब से मोहन यादव की सरकार बनी है तब से ही इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड दिये है। मामला चाहे किसानों की जमीन छीनने का हो या किसानों के साथ वादाखिलाफी का। सरकार ने ढाई लाख नौकरियां की बात कही थी लेकिन उस पर भी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। परिवहन विभाग का भ्रष्टाचार चरम पर दिखा, लेकिन केन्द्र सरकार की एजेंसियों द्वारा कार्रवाई नहीं करना अचंभे की बात है। आज राज्य में जिस तरीके के हालात हैं हमें विपक्ष का दायित्व मिला है हम पूरे ताकत से सजक होकर निभा रहे है। यह बात मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को मध्यप्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के 22वें प्रांतीय अधिवेशन में कहीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि कांग्रेस अपना संगठन मजबूत कर रही है और विपक्ष का दायित्व निभा रही है। विजयपुर का उपचुनाव हुआ इसी अंचल का था जनता ने यहां वादाखिलाफी धोखे वाले लोगों को सबक सिखाया है ऐसा यही नहीं हुआ महाकौशल की नगरी अमरवाड़ा और बुधनी में भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता का मन परिवर्तित हो रहा है। भाजपा सरकार केवल कर्ज की, कलेक्शन की, क्रीम की, कमीशन की सरकार है। उन्होंने कहा कि आज अगर जांच हो जाए तो सभी जेल की सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने कहा कि बिना पैसे दिए किसी भी अधिकारी को जिला नहीं मिलता है। राज्य में हालात बद से बदतर हो गए हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि विपक्ष की ताकत तभी बढ़ेगी जब पत्रकार भी हमें साथ देंगे। बेरोजगारों को आकांक्षी युवा नाम पर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के बेरोजगारी के आंकड़े आए हैं। इधर इन्वेस्टर मीट हो रही है उसकी वाहवाही लेने की बात आ रही हैं। केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री रोज नई नई हैडिंग बनाते हैं वह जो आकड़े बोलते हैं सब झूठ बोलते हैं। राज्य सहित देश में बेरोजगारी इतनी सर चढ़ गई है कि देश का नहीं दुनिया का सबसे बड़ा बेरोजगार प्रदेश बन गया है। इससे पहले ग्वालियर आये जीतू पटवारी का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूलमाला से जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, शहर जिलाध्यक्ष डा देवेन्द्र शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल दौहरे, विधायक सतीश सिंह सिकरवार, साहब सिंह गुर्जर आदि मौजूद थे।

जिले में तीन हाथियों का डेरा,एक गोबरी एवं दो हाथी ने धनगवां के जंगल में जमाया डेरा,रात में फसलों को पहुंचते हैं जबरदस्त नुकसान

अनूपपुर। शनिवार की शाम दो नए मेहमान हाथी छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार करते हुए अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील ,थाना एवं वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत एवं बीट चोलना में प्रवेश कर रात भर चोलना,बचहाटोला,कुकुरगोड़ा गांव में चलते हुए ग्राम पंचायत के क्योटार के कुशुमहाई गांव से लगे जंगल में पहुंचकर रविवार के दिन विश्राम कर रहे हैं वही एक दांत वाला नर हाथी शनिवार की ग्राम पंचायत गोबरी के गोबरी के जंगल से निकलकर तीन-

चार घंटे तक निरंतर ठाकुबाबा के पास स्थित सुखीलाल राठौर के खेत में लगे गेहूं की फसल को आहार बनाता हुआ गोबरी गांव के मोहल्लों से ग्राम पंचायत पगना के बांका गांव की सीमा तक विचरण करते जाते हुए रविवार की सुबह फिर से वापस आकर ठाकुरबाबा के पास स्थित गोबरी गांव के जंगल में विश्राम कर रहा है वनविभाग के अधिकारी/कर्मचारी हाथियों के विचरण पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं तथा ग्रामीणों को सचेत तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

माँ दुर्गा हाथी पर सवार होकर आई, प्रारंभ हुआ नवदुर्गा महोत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मरैना/अम्बाह। 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो गई। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती लोक पर आई हैं। धार्मिक मान्यता है कि जब माता हाथी पर आती हैं तो यह सुख, समृद्धि और शांति का संकेत होता है। थरा निवासी पंडित अमित रामदत्त मिश्रा ने बताया, इस साल हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरुआत भी रविवार से हुई है। नववर्ष के राजा और मंत्री दोनों सूर्य हैं। इसलिए यह साल धर्म-कर्म करने वालों के लिए विशेष फलदायी रहेगा।

नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के शैलपुत्री रूप की पूजा की गई। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण देवी के इस स्वरूप को शैलपुत्री कहा जाता है। माँ शैलपुत्री की पूजा से धन, ऐश्वर्य, सौभाग्य और आरोग्य की प्राप्ति होती है। देवी को प्रसन्न करने के लिए 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं शैलपुत्र्यै नमः'' मंत्र का जाप किया गया। मां के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का फूल है। उनकी सवारी बैल है। यह रूप अत्यंत दिव्य और मनमोहक है। मां की पूजा से चंद्रमा के बुरे प्रभाव दूर होते हैं।

सुख कुटी मंदिर, हीरो माता मंदिर, संतोषी माता मंदिर समेत सभी देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। नवरात्रि में हर दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। माता की सवारी सप्ताह के दिन के अनुसार तय होती है। रविवार और सोमवार को नवरात्रि शुरू होने पर माता हाथी पर आती हैं।

मुनि दीक्षा लेकर एलक दयानन्द जी बने शुद्धानंद सागर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। रविवार को राजस्थान के पदमपुरा में जैन आचार्य वसुनंदी जी महाराज के सानिध्य में दिमनी चांदपुर निवासी ऐलक दयानंद सागर जी महाराज को मुनि पद की दीक्षा दी गई। दीक्षा की प्रक्रिया दोपहर 2 बजे शुरू हुई। दीक्षा के बाद उनका नाम मुनि शुद्धानंद सागर जी महाराज रखा गया।

मुनि बनने से पहले ऐलक दयानंद जी ने आचार्य श्री से दीक्षा की प्रार्थना की थी। आचार्य श्री ने स्वीकृति दी। अक्टूबर 2024 में उन्होंने वसुनंदी जी महाराज से क्षुल्लक दीक्षा ली थी। जनवरी 2025 में ऐलक पद की दीक्षा प्राप्त की। इसके बाद रविवार को उन्हें मुनि पद की दीक्षा मिली। इस अवसर पर आचार्य वसुनंदी जी महाराज ने कहा कि दिगंबर अवस्था को धारण किए बिना आत्मा परमात्मा नहीं बन सकती। मोक्ष की प्राप्ति भी नहीं होती। हर इंसान दिगंबर रूप में जन्म लेता है। मृत्यु के बाद कफन हटाना भी दिगंबरता का प्रतीक है। शुद्धानंद मुनि श्री के परिजन संतोष जैन, नीलेश जैन, रूपेश जैन और दीपक जैन ने बताया कि हमारे पिता जी ने जैन धर्म की महानता से प्रेरित होकर सर्वोच्च मुनि पद को प्राप्त किया है।

दिगंबर मुनिराज भीषण ठंड, तपती धूप और मूसलधार बारिश जैसी विषम परिस्थितियों में भी संसार के सभी विकल्पों को त्याग कर आत्मकल्याण, आत्मानुभूति और आत्मान्वेषण के लक्ष्य की ओर जीवन शैली अपनाते हैं। वे जिन व्रतों, गुणों और तपों का पालन करते हैं, वह सभ्यता के इतिहास में पठनीय, चिंतन योग्य और मननीय है।

कलश यात्रा के साथ माँ राज राजेश्वरी ललिताम्बा त्रिपुर सुंदरी नौ दिवसीय महायज्ञ प्रारंभ

– 2500 से अधिक मातृशक्ति हुई शामिल, कई स्थानों पर हुआ स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। हिन्दू नववर्ष एवं चैत्रीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर माँ राज राजेश्वरी ललिताम्बा त्रिपुर सुंदरी का नौ दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ श्री राजराजेश्वरी सिद्धीदात्री मातेश्वरी मंदिर, कामिका महादेव समिति के तत्वावधान में हुआ। आयोजन समिति के संयोजक गुरूप्रीत सिंग ईशर एवं अध्यक्ष ठा. संजय सिंह चौहान ने बताया कि नौ दिवसीय महायज्ञ की शुरूआत रविवार को प्रातः 9 बजे कामिका महादेव मंदिर से भव्य कलश यात्रा से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक गायत्रीराजे पवार, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि भरत चौधरी, जितेन्द्र जायसवाल, नवीन सोलंकी, शुभम चौहान आदि शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत भगवा दुपट्टा ओढाकर

किया गया। कलश यात्रा जवाहर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए यज्ञ स्थल नेताजी सुभाषचंद्र बोस ग्राउण्ड जवाहर नगर पहुंचकर सम्पन्न होगी। कलश यात्रा बैण्ड-बाजे, डीजे व ढोल के साथ धूमधाम से निकली। सिर पर कलश धारण करे हुए लगभग 2500 से अधिक मातृशक्ति कलश यात्रा में शामिल हुई। विभिन्न स्थानों पर कलश यात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। यात्रा पश्चात यज्ञाचार्य पं. शिव कुमार शास्त्री माँ कामाख्या पीठ, असम एवं पं. बालकृष्णाचार्य श्री धाम अयोध्या द्वारा विधि-विधान से महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा पश्चात महाप्रसादी भण्डारा आयोजित हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। 07 अप्रैल तक चलने वाले महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन मण्डल पूजन, ललिताम्बा राज राजेश्वरी श्लोक पाठ प्रातः 8 से 12 बजे तक होगा एवं यज्ञ दोपहर 3 से सायं 7 बजे तक चलेगा। तत्पश्चात् संगीतमय महाआरती होगी।

नौ दिवसीय महायज्ञ में आकर्षण का केन्द्र 100 फीट की गुफा भी तैयार की गई है। जिसमें माँ राजराजेश्वरी सिद्धीदात्री विराजित की गई है। रात्रि 8 बजे बच्चों एवं शहरवासियों के मनोरंजन हेतु आनंद मेले का शुभारंभ हुआ। जिसमें कई झूलों के साथ चाट-चौपाटी का आनंद लोग ले सकेंगे। महायज्ञ में यजमान बनने हेतु यज्ञस्थल पर जाकर सम्पर्क कर सकते है। आयोजन समिति के हेमंत बिसोरे, अंकित सिंह, शंकर भोले, पंकज मतकर, मनीष पांचाल, हेमंत उपाध्याय, भावेश पालीवाल, तुफान सिंह पवार (फौजी), मेहरबान सिंह सोलंकी एवं मनीष कुशवाह आदि ने नगर की धर्मप्रेमी भक्तों से अपील की है कि नौ दिवसीय महायज्ञ एवं आनंद मेले में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सफल बनाएं।

तिलक लगाकर, फूल देकर और प्रसाद वितरण कर मनाया हिंदू नववर्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। हिंदू नववर्ष के प्रथम दिन स्थानीय इंदिरा गांधी प्रतिमा स्थल पर भाजपा जिला अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों ने हर्षोल्लास के साथ नववर्ष मनाया। इस अवसर पर एक-दूसरे को हिंदू नववर्ष की बधाई दी गई। कार्यक्रम में तिलक लगाकर, फूल भेंट कर और प्रसाद वितरण कर उत्सव की गरिमा बढ़ाई गई।

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, विधायक प्रतिनिधि

दुर्गेश अग्रवाल, जिला महामंत्री मनीश सोलंकी, पंकज वर्मा, महाराजा मंडल अध्यक्ष सुरेश सिलोदिया, श्री शिलनाथ मंडल अध्यक्ष शुभम चौहान, सीनियर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र नवगोत्री, जूनियर मंडल अध्यक्ष मधु शर्मा, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल सिकरवार, नगर महामंत्री नवीन सोलंकी, सहित कई भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आम नागरिक उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा सह जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बसैया से जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम की शुरुआत की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के जल संसाधनों का संरक्षण और पुनर्निमाण आवश्यक है। प्रदेश की नदियां, सरोवर और अन्य जल स्त्रोत हमारे जीवन के आधार हैं। इनके संरक्षण, पुनर्जीवन और प्रभावी प्रबंधन के लिए सरकार और समाज दोनों सजग रहें, यह आवश्यक है। इस उद्देश्य से प्रदेश में तीन माह अवधि का जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ हो रहा है। प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए अधिकतम प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार की शाम मंत्रालय से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अभियान के संबंध में कलेक्टर्स को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन किया।

मुरैना की 478 ग्राम पंचायतों में हुई अभियान की शुरुआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान को सफल बनाने के लिए कलेक्टर्स एवं अन्य अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला स्तर पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान से जोड़ें। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सभी की सहभागिता जल स्त्रोतों की सफाई और रखरखाव के कार्यों के अच्छे परिणाम दिलवाने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान में जिला प्रशासन का अमला और विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मिलकर कार्य करें। उल्लेखनीय है कि अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नगरीय विकास एवं आवास, उद्यानिकी, कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्योग, पर्यावरण, स्कूल शिक्षा, संस्कृति, जनसंपर्क, राजस्व, वन विभागों के साथ ही जन अभियान परिषद को प्रमुख सहभागी विभाग बनाया गया है। अभियान को स्थानीय रणनीति के अनुसार जिलों में अन्य विभागों का सहयोग कलेक्टर स्तर पर लिया जा सकेगा। जिसके तहत कलेक्टर अंकित अस्थाना ने ग्राम पंचायत बसैया जनपद पंचायत मुरैना से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की।इस अभियान की शुरुआत मुरैना जिले की 478 ग्राम पंचायतों में हुई।इस मौके पर उनके साथ सीईओ जिला पंचायत कमलेश भार्गव भी उपस्थित रहे।

यूपीएस के विरोध में कल कर्मचारी कालीपट्टी बांधकर करेंगे कार्य

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 01 अप्रैल से देशभर में लागू होने जा रही केन्द्र सरकार की यूपीएस योजना के विरोध में और ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू किए जाने की मांग को लेकर केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के अधीन अधिकारी, कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा कालीपट्टी बांधकर कार्य किया जाएगा। उनके द्वारा 1 अप्रैल को ब्लैक-डे के रूप में मनाया जाएगा। विरोध प्रदर्शन के तहत कल 1 अप्रैल को शाम 4.30 बजे अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षकगण कलेक्टर कार्यालय के नजदीक एकत्रित होंगे। जहां से मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर ओपीएस बहाली की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन देंगे। पुरानी पेंशन योजना बहाली संघ के जिला संयोजक मुन्नालाल शर्मा ने समस्त अधिकारी, कर्मचारियों एवं शिक्षकों से विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुरैना में स्वास्थ्य शिविर लगा है।यह स्वास्थ्य के महा कुम्भ से कम नहीं है, जहां अनेक बीमारियों का इलाज एक स्थान पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। यह सेवा पुण्य से कम नहीं है।रोटरी व प्रशासन मिलकर सेवा देने का नेक कार्य कर रहा है यह गर्व की बात है।इस कैम्प में गरीब परिवारों के अलावा लम्बे समय से जो विभिन्न गंभीर बीमारियों से जूझ रहे उन्हें भी लाभ मिल सकेगा।

मंत्री श्री कंषाना ने हेल्थ कैंप में फिजियो थेरेपी काउंटर पर पहुंचकर डॉक्टर नीरज जैन से विस्तार से चर्चा की और किस प्रकार के मरीज कैंप में आ रहे है, इसके बारे में जानकारी ली।चिकित्सकों ने बताया कि अधिकतर ऐसे मरीज आ रहे रहे हैं, जिन्हें फिजियोथैरेपी की अत्यंत आवश्यकता है, उनकी फिजियोथैरेपी कराई जा रही है। रोटरी के पदाधिकारी डॉ. संजीव जैन ने बताया कि कैम्प में विभिन्न प्रान्तों से आये बड़े चिकित्सकों द्वारा गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। जिनमें जनरल, मेडीसन, ऑर्थोपैडिक्स, पीडियाट्रिक, ईएनटी, गायनकलॉजी, सर्जीकल, ऑपथामॉलोजी, डेंटल, यूरोलॉजी, सायकिएट्री, ऑनकोलॉजी, डरमैटलॉजी, पलमुनोरी, हिमाटोलॉजी, पेन मेडीसन, कार्डियोग्राफी, एनसीडी क्लीनिक आदि शामिल है।

इस अवसर पर कलेक्टर अंकित अस्थाना, सीईओ जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, रोटरी के पदाधिकारी भूपेन्द्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

तत्व ज्ञान की प्राप्ति भक्ति युक्त सेवा सेः कौशल किशोर दास

- हिंदू संवत्सर के प्रथम दिवस नशा सामग्री का किया मरीजों ने दान, - चित्रकूट में शनि अमावस्या पर हुआ भंडारा, - डॉ. पुलकित, डॉ. माधवी, सीतारामजी, नन्दू भैया, मोहन मंगल जी ने चित्रकूट भंडारे में दीं अपनी सेवा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई। इसके साथ ही 258 मरीजों ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया। विषय बार मरीजों की संख्या इस प्रकार रही- दन्त रोग 85 स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 73, नाक, कान, गला 44, सर्जरी 43, अस्थि रोग 45, नैत्र रोग 22, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए- दांतों के सेट 0, ब्लड प्रेसर की जाँच 44, ई.सी.जी 01, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 31, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 18, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 34, एम्स में पंजीयन 0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष में- दांत शल्य क्रिया 54, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज 24, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष में प्रारंभ हुई, जिसमें आँखों की जाँच 16 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवकों ने सेवा की। डॉ. एस.के.शर्मा, डॉ. बी.एल. राजपूत, डॉ. दीपक बंसल, कस्तूरी, ममता, ओमवती, लक्ष्मी, गुड्डी, प्रेमा, सलोनी, आस्था, बबीता, शीतल, मनीराम, श्याम, सुरेश महेश्वरी, पुरुषोत्तम, होत्तम, हाकिम, रामचरण, रामवीर, श्रीनिवास, मयूर अग्रवाल, दीपू तोमर, जितेंद्र, रामसिंह, पवन आदि ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं। प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियों ने अपनी सेवायें परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया।

आज परमार्थ में कोशल किशोर दास पधारे। आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ

परमार्थ शिविर में 258 मरीज और 27 सेवक हुए उपस्थित

भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर ह्रदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि भगवान को शकल-सूरत से जानना, जानना नहीं होता, मानना होता है। क्योंकि जब हम एक साढ़े तीन हाथका कोई व्यक्ति देखते हैं, तो इसीने यह सृष्टि बनायी है, यह सर्वज्ञ है, ये सर्वशक्तिमान है-यह तो मानना पड़ेगा। जब हम एक छोटी-सी चीज में, छोटे से आकार में, भगवान का भाव करेंगे तो वहाँ मानना पड़ेगा। लेकिन जब उसमें पूरी भक्ति जावेगी, तब हम जान जायेंगे कि यह कितना बड़ा है कि देश, काल और द्रव्यकी कल्पना उसके अन्दर, उसके एक कणमें होती रहती है और मिटती रहती है। वह है क्या? उसका तत्त्व क्या है? जैसे आभूषण हम बहुत देखते हैं-छोटा बच्चा चमकता हुआ आभूषण देखता है, पहनता भी है लेकिन वह सोनेको नहीं पहचानता है। उसी प्रकार भगवान को जो लोग बहुत छोटे रूप में देखते हैं, वे आभूषण तो पहनते हैं, परन्तु आभूषण स्वर्ण है, यह ज्ञान उनको नहीं होता। जब सोने से प्रेम होगा तब पता लगावेंगे कि यह क्या है? भगवत-तत्त्व का ज्ञान तब होता है जब हमारे जीवनमें भक्ति आती है। जब परमात्माका ज्ञान होता है तो जैसे आभूषण और स्वर्णमें फर्क नहीं है, इसी प्रकार आत्मा और परमात्मामें कोई फर्क नहीं रह जाता। इसका अर्थ बहुत विलक्षण एवं व्यावहारिक है। जबतक आप अपने अन्दर पूर्ण ज्ञानका और पूर्ण शक्तिका अनुभव नहीं करेंगे तबतक आपके सारे काम एवं संकल्प तथा सफलताएँ अधूरी रहेंगी। लेकिन यदि आप अपने में, पूर्णताका अनुभव कर लें तो आप जो-जो करेंगे, वही पूर्ण होगा। आपके जीवनमें उत्साह बना रहेगा, कभी टूटेगा नहीं। आपको हमेशा सफलता मिलेगी, कहीं विफलता है ही नहीं। कभी आप दुःखी नहीं होंगे। हमेशा सुखी रहेंगे। कभी आप अपनेको दीन-हीन महसूस नहीं करेंगे। श्रीरामचन्द्र भगवान्ने पहले अपनी पूर्णताका ज्ञान प्राप्त कर लिया, उसके बाद वे जीवन्मुक्त पुरुषके समान अपनी भगवत्ताके साथ सारे कर्म करते थे और कहीं उदासी, नैराश्य उनके जीवनमें नहीं था। सम्पूर्ण समग्रताके साथ भगवान्?के रूपमें उन्होंने सम्पूर्ण विश्वका हित किया, कल्याण किया। इसीलिए यह जो ज्ञान है, यह केवल समाधि लगानेके लिए नहीं है, हिमालयमें जानेके लिए नहीं है या केवल मन्दिरमें बैठनेके लिए नहीं है। यह केवल यज्ञशालामें रहनेके लिए नहीं है। भाव जहाँ रहें-रणमें, वनमें, आप पहाड़पर रहें, एकाकी रहें, भीड़में भले लोगोंमें रहें, बुरे लोगोंमें रहें, आप सबको आनन्द बाँटते रहेंगे, सबको ज्ञान बाँटते रहेंगे; सबको जीवन-दान करते रहेंगे। यह तत्त्वज्ञान भक्तिके द्वारा प्राप्त होता है। अनन्य भक्तिका अर्थ होता है, ईश्वर के साथ भक्तिका सम्बन्ध रखें जो कभी बदलेगी नहीं। फिर आप परिवारमें रहिये, ईश्वरकी भक्ति बनी है, समाजमें जाइये, ईश्वर की भक्ति बनी है। व्यापारमें जाइये, राजनीतिमें जाइये-फैसिये कहीं नहीं। दुनियाके सारे फँसावोंको, पक्षपातों को क्रूरताओं को मिटानेके लिए, हमारे हृदय में जब ईश्वर की भक्ति आती है तो वह ऐसा चमत्कार दिखाती है कि मनुष्य के जीवन में कोई दुःख, कोई दीनता, कोई हीनता रहती ही नहीं है। यही में यहा देख रहा हूँ यहा समस्त सेवक अनन्य भाव से सभी में प्रभु दर्शन कर सेवा कर रहे हैं। आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं ह्रदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ ले। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

आरएसएस की मुरैना इकाई ने नववर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा एक निजी होटल में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर नववर्ष उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्सव में मुख्य व्यक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत धर्म जागरण प्रमुख नवनीत शर्मा ने कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है। आज के दिन से ही ब्रह्मा जी ने श्रृष्टि की रचना प्रारंभ की, भारत ने शकों को पराजित कर शक संवत् की स्थापना की। आज ही चक्रवर्ती सम्राट महाराज विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ और विक्रम संवत् की स्थापना हुई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अध्य सरसंघचालक पूजा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का भी जन्म आज ही के दिन हुआ जो कि प्रकृति का महत्वपूर्ण संदेश है। नवनीत जी ने अतीत की एक घटना पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता पूर्व कुछ व्यक्तियों का एक समूह स्वामी विवेकानंद जी के पास गया और स्वतंत्रता के आंदोलन का प्रतिनिधित्व करने का आग्रह किया, तब स्वामी विवेकानंद ने कहा कि स्वतंत्रता तो मैं अगली सुबह ही दिला दूं, परंतु उनका प्रश्न ये था कि ये स्वतंत्रता रहेगी कब तक? आखिर कब तक टिकेगी? ये स्वतंत्रता यही प्रश्न भीमराव रामजी अम्बेडकर ने भी संविधान सभा में किया। उसके बाद डॉ. हेडगेवार ने उसका उत्तर दिया कि हम राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक समाज में समानता और बंधुत्व के भाव को जागृत कर इस स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे। नवनीत जी ने कहा अभी संघ 100 वर्ष का होने वाला है और इस 100वे वर्ष में संघ के स्वयंसेवक समाज परिवर्तन के 5 विषयों को लेकर समाज के बीच जाएंगे जिन्हें पंच परिवर्तन नाम दिया है। कार्यक्रम में जिला संघचालक विजय बांदिल, नगर संघचालक महेश मोदी एवं 400 से अधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रोटरी कैम्प में 12886 लोगों के हुये पंजीयन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मरैना। रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 के तहत 30 मार्च को पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में 12 हजार 886 लोगों ने पंजीयन कराये। पंजीयन के दौरान प्रांतो से आये डॉक्टरों ने मरीजों के परीक्षण किये एवं समुचित इलाज दिया। रोटरी के पदाधिकारी डॉ. संजीव बांदिल ने बताया कि 561 जनरल ओपीडी, 6698 मेडीसन, 959 ऑर्थोपैडिक्स, 07 पीडियाट्रिक, 496 ईएनटी, 223 गायनकलॉजी,154 सरजरी,1637 ऑपथामॉलोजी, 620 डेंटल, 95 यूरोलोजी, 24 फिजीसाइट्री, 7 ऑनकोलॉजी, 631 डरमैटलॉजी, 553 पुलमोनरी, 1 पेन मेडीशन, 1 आर्टीफिशियल ओरगन ट्रान्सप्लांट एवं 219 एनसीडी क्लीनिक लोगों ने पंजीयन करायें।

रोटरी मेगा कैंप में 53 दिव्यांगों का कृत्रिम हाथ हेतु किया गया पंजीयन

मुरैना। पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में 02 अप्रैल तक रोटरी महा कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रविवार को रोटरी कैंप में 53 दिव्यांगों का कृत्रिम हाथ हेतु पंजीयन किया गया। उनमें से रविवार को 25 दिव्यांगजनों को हाईटेक हाथ लगाये गये। यह जानकारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा द्वारा दी गयी है।

मरीजों को जिला चिकित्सालय तक लाने व ले जाने का कार्य कर रह है भारतीय मजदूर संघ

मुरैना। स्व. श्रीमती मोहन प्यारी देवी माहेश्वरी जी की स्मृति में जिला मुख्यालय मुरैना पर 02 अप्रैल तक हेल्थ मेगा शिविर पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में लगाया जा रहा है। जिसमें चिकित्सकों द्वारा मरीज को परीक्षण करने के बाद जिला चिकित्सालय पहुंचने के लिए भारतीय मजदूर संघ द्वारा यह जिम्मेदारी ली गई है। मजदूर संघ के बृजराज दंडोतिया ने बताया कि शासन की ओर से मरीज को निशुल्क ले जाने और लाने की जिम्मेदारी हमें दी है। हम मरीजों को जिला चिकित्सालय तक निशुल्क पहुंच रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर जिला चिकित्सालय से निशुल्क वापस ला रहे हैं। जिसका खर्चा जिला प्रशासन और रोटरी वहन कर रहा है। मरीज सुल्तान, दाताराम, हरविलास और हलुके बताते हैं कि रोटरी का कैंप मुरैना में लगा हुआ है। इस कैंप में जांचें, मरीज को लाना ले जाना, भोजन आदि सब निःशुल्क है। हमको अपने इलाज पर किसी प्रकार का कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ रहा है, जहां तक की कैंप से अस्पताल तक लेकर जाना और लौट कर यही छोड़ने की जिम्मेदारी ई-रिक्शा के माध्यम से की जा रही है।

अज्ञात महिला का शव मिला

मुरैना। बानमोर पुलिस ने गत दिवस एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया है। महिला के गर्दन व गाल पर चोट के निशान बताये गये हैं। मृतिका की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जाती है। उक्त महिला मेहंदी गलर की साड़ी पहने हुए

बसैया मंदिर में शुरू हुआ नवदुर्गा महोत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मरैना। शक्ति के आराध्य के पर्व के तौर पर मनाए जाने वाले नवदुर्गा महोत्सव की धूम है। अपने घरों में माता और अंचल के प्राचीन मंदिरों पर धार्मिक आयोजन व अनुष्ठान करवा रहे हैं, इसके लिए मंदिरों को सजाया गया है। प्राचीन मंदिर माता बसैया में इस समय लोगों की भारी भीड़ है। यहां मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिले के प्रसिद्ध गांव माता बसैया में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी काली माँ का मेला लग रहा है। यह मेला 05 अप्रैल तक चलेगा। भक्त राघवेंद्र सुल्तान सिंह हरसाना ने बताया कि मेले में सप्तमी के दिन पूजा जवारा विसर्जन के साथ लांगुरिया, माता की भेंट, लोक संगीत का आयोजन होता है। यह मंदिर जिला मुख्यालय मुरैना से 15 किलोमीटर की दूरी पर काली माता का बसैया प्राचीन मंदिर है। पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2025 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 30.03.2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैंः-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	1183/35, नया वार्ड 41 टी.आर. पुरम कॉलोनी मुरैना	सुनील कुमार गुप्ता पुत्र महेशचन्द गुप्ता निवासी- लक्ष्मी कॉलोनी पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	नील गर्ग (नाबालिग) पुत्र श्री सौरभ गर्ग सरपरस्त पिता स्वयं सौरभ गर्ग पुत्र श्री रमेशचन्द गर्ग	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा
2	27/30, नया वार्ड 34 गजाधर वाली गली गणेशपुरा मुरैना	श्रीमती मुन्नी पत्नी स्व. निजामुद्दीन, आरिफ खान, आशिक खान पुत्रगण स्व. निजामुद्दीन, शबाना पत्नी स्व. आसीन खान, सनी खान, जीशान खान पुत्रगण स्व. आसीन खान, शमशुद्दीन पुत्र स्व. बाबू खाँ निवासी- गजाधर वाली गली गणेशपुरा मुरैना	इस्माइल पुत्र जुम्मा खाँ, जमालउद्दीन, अलीमुद्दीन पुत्रगण बाबू खाँ	वसीयतनामा, विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
3	27/1/30, नया वार्ड 34 गजाधर वाली गली गणेशपुरा मुरैना	श्रीमती उमा शर्मा पत्नी सुदर्शन शर्मा निवासी- गणेशपुरा मुरैना	अलीमुद्दीन पुत्र स्व. बाबू खाँ	विक्रय पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2025/461 मुरैना,दिनांक- 25/03/2025

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका-कलावती नि0-ग्राम करेहधाम धनेला मुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र दिनांक- 18.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक-29/04/2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आंमत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	मुरैना हाल तह0 बामौर	उरहाना	1244.	4.000 हे0	शास. भूमि	गिट्टी बोल्डर एम-सेण्ड उत्खनिपट्टा	

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों सें विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी । विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे । उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G24957/24

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

सुको के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी मेगा विधिक सहायता शिविर में पहुंचे

-हिन्दुस्तान एकसप्रेस न्यूज-

मुरैना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना द्वारा 30 मार्च को मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन एस.ए.एफ. ग्राउण्ड मुरैना में किया गया है। मेगा विधिक साक्षरता शिविर में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र माहेश्वरी, श्री धर्मेन्दर सिंह, रजिस्ट्रार जनरल म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर एवं श्रीमती संगीता मदान, प्रधान जिला न्यायाधीश मुरैना के साथ ही मुरैना जिले के अन्य न्यायाधीशों द्वारा विजिट कर जानकारी ली गई।

मेगा विधिक साक्षरता शिविर में जिला मुख्यालय मुरैना एवं ग्रामीण क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में हितग्राही उपस्थित हुए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लक्ष्य ''न्याय आपके द्वार'' के अन्तर्गत मेगा विधिक साक्षरता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की गई एवं राष्ट्रीय व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाए संबंधी जानकारी जैसे लोक अदालत, मध्यस्थता, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, वरिष्ठ नागरिको के अधिकार के संबंध में योजना, बच्चो के मैत्रीपूर्ण व्यवहार के संबंध में योजना, मानसिक रूप से अस्वस्थ्य व्यक्तियो के लिए विधिक सहायता योजना के संबंध में उपस्थित व्यक्तियों को जानकारी जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल मुरैना, पैरालीगल वालेंटियर एवं पैनल लॉयर द्वारा प्रदान की गई। उपरोक्त शिविर में बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे और योजनाओं का लाभ उठाया।

अशोकनगर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मनाया हिंदू नववर्ष

सिंधिया बोले- आपके घर में, आपके परिवार में, क्षेत्र में, किसानों का, सबका मंगलमय साल हो ये कामना मैं ईश्वर से करता हूं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के तीसरे दिन अशोकनगर में मराठी समुदाय के साथ गुड़ी पड़वा का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर उन्होंने सर्किट हाउस, अशोकनगर में आयोजित पूजा पाठ में भाग लिया और उपस्थित जनसमुदाय के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

बच्चों को भी दी शुभकामनाएं, सभी के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

समारोह के दौरान सिंधिया ने विशेष रूप से बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलमय और खुशहाल रहे।

यह गौरव का विषय है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया का गहरा मराठी जुड़ाव है। उनके पूर्वजों की स्थापना रणोजी सिंधिया ने की थी, जो मराठा साम्राज्य के प्रतिष्ठित सरदारों में से एक थे। उन्हें पेशवा बाजीराव प्रथम ने मराठा योद्धा के रूप में नियुक्त किया था, और सिंधिया परिवार का मराठा इतिहास शौर्य और पराक्रम का प्रतीक रहा है।

कलम की ताकत तलवार से ज्यादा होती है,पत्रकार संविधान के चौथे स्तंभ होते हैं: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

जिला पत्रकार संघ के कार्यक्रम में शामिल हुए सिंधिया, पत्रकार संघ की नवगठित कार्यकारिणी को दीं शुभकामनाएं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। भारत के इतिहास में पत्रकारों की अहम भूमिका है। जब हमारे पास फोन नहीं होते थे तब आपके द्वारा लिखे गए लेखों के माध्यम से ही सूचनाएं एक गांव से दूसरे गांव तक पहुंचती थीं। यह बात केंद्रीय मंत्री एवं अशोकनगर के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कही। सिंधिया जिला पत्रकार संघ द्वारा आयोजित नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। सिंधिया ने कहा कि हमारे मुंगावली क्षेत्र से गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे महान पत्रकार हुए जिन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान सिंधिया ने कार्यकारिणी के नव-निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

कलम की ताकत तलवार से ज्यादा: सिंधिया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि पत्रकार संविधान के चौथे स्तंभ के सदस्य हैं। आपकी पत्रकारिता और कलम में तलवार से ज्यादा ताकत होती है। उन्होंने संगठन के सदस्यों से कहा कि आज पत्रकारिता के क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं प्रेरित करने की आवश्यकता है। साथ ही प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला भी आयोजित की जानी चाहिए।

पत्रकारों को सनसनीखेज के साथ सकारात्मक खबरें भी प्रसारित करनी चाहिए: सिंधिया

मंत्री सिंधिया ने कार्यक्रम में पत्रकारों को सलाह देते हुए कहा कि पत्रकारों और पत्रकारिता के संस्थानों को सनसनीखेज खबरों के साथ-साथ सकारात्मक खबरें भी प्रसारित करनी चाहिए। पत्रकारिता से सकारात्मक लोगों को भी जोड़ने की जरूरत है। साथ ही तथ्यात्मक रिपोर्टिंग के साथ मूल्यांकन आधारित पत्रकारिता को बढ़ावा मिलना चाहिए। इसके अलावा सिंधिया ने पत्रकारिता में एआई के बढ़ते प्रयोग को लेकर भी चर्चा की।

ईद एवं नवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सोमवार को ईद के त्योहार एवं नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व को लेकर थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। 30 मार्च की शाम आयोजित बैठक में नगर निरीक्षक उदयभान सिंह यादव ने बैठक में उपस्थित हिंदू-मुस्लिम भाइयों से दोनों तैयारों को लेकर उनके सुझाव लिए। 31 मार्च को ईद का त्यौहार होने से ईदगाह जामा मस्जिद एवं शाही मस्जिद पर नमाज अता की जाएगी, वहीं रविवार से प्रारंभ हुई नवरात्रि महोत्सव को भी 9 दिन तक पूरी श्रद्धा जगत जननी मातारानी की भक्ति के साथ मनाया जाएगा। ईद के अवसर पर नगर पालिका की तरफ से उपस्थित दरोगा महेश त्यागी ने विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई के साथ पानी के टैंकर की व्यवस्था करने की बात कही तो वहीं विद्युत विभाग की तरफ से उपस्थित घनश्याम सिंह सिकरवार, नाथू सिंह सोलंकी ने विद्युत व्यवस्था की देखभाल करने की बात कही गई। मीटिंग में उपस्थित हिंदू एवं मुस्लिम भाइयों ने दोनों त्योहारों को नगर की परंपरा के अनुसार आपसी सद्भाव प्रेमपूर्वक मनाने की बात भी कही गई। शांति समिति की बैठक में शहाबुद्दीन उस्मानी, रामेश्वर राजोरिया, रईस खान, लाल खान, हंसराज शर्मा, असलम स्टील, मोहर सिंह यादव, महेश प्रजापति, राजू शर्मा, जेपी पाराशर, दामोदर सरपंच, लाखन सिंह, सती सविता, वकील गुर्जर, वीरेंद्र कुशवाहा, सत्येंद्र, पिंटू रजक, योगेंद्र सहित नगर निरीक्षक उदयभान सिंह यादव, सहायक उप निरीक्षक मुकेश सिंह राजावत, गुलाब सिंह, रमन सिंह ओपन निरीक्षक सहित आम नागरिक भी उपस्थित थे।

जैन समाज के प्रति मैं 'मैग्नेट' की तरह आकर्षित होता हैं, जन्म से मराठा पर कर्म से जैन: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पहुंचे अशोकनगर के श्री दिगंबर जैन मंदिर परम पूज्य 108 मुनि श्री अविचलसागर जी महाराज का लिया आशीर्वाद

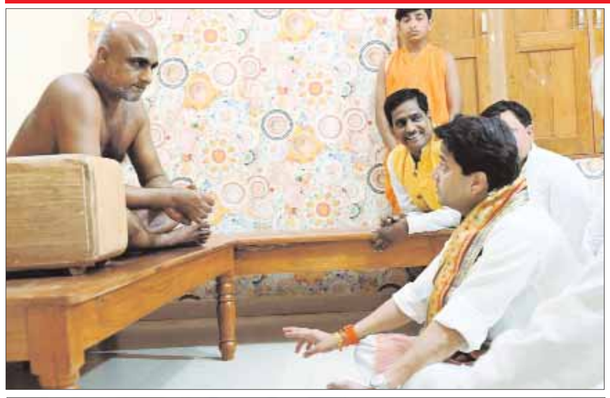

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के दौरान अशोकनगर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे। उन्होंने परम पूज्य 108 मुनि श्री अविचलसागर जी महाराज से आशीर्वाद लिया और समस्त जनता को हिंदू नव वर्ष, गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं।

सिंधिया बोले- जैन समाज के प्रति 'मैग्नेट' की तरह आकर्षित होता हूं

श्री सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा, मैं जैन समाज के प्रति एक चुंबक (मैग्नेट) की तरह आकर्षित होता हूं। मैं जन्म से मराठा हूं, लेकिन मेरी कोशिश है कि कर्म से जैन बनूं।

महात्मा गांधी जी को याद कर जैन समाज के अतुलनीय योगदान की सराहना

उन्होंने महात्मा गांधी को याद करते हुए कहा कि जैन समाज ने न केवल अपने समाज को मार्ग दिखाया है, बल्कि पूरे विश्व को अहिंसा का संदेश दिया है। सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में, जैसे नेल्सन मंडेला भी अहिंसावादी सोच से प्रभावित हुए थे।

''जियो और जीने दो'' की विचारधारा को अपनाने की ज़रूरत

उन्होंने जैन धर्म के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोक्ष प्राप्ति के लिए त्याग सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, संस्कृत में एक शब्द है 'मम' (मेरा), हमें इसे त्यागना होगा। सच्चा मोक्ष तभी संभव है जब हम त्याग की भावना अपनाएं।

क्षमावाणी में औपचारिकता न निभाएं, अपनों से आत्मीयता से बात करें

सिंधिया ने क्षमावाणी पर्व की भावना को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा, क्षमावाणी पर केवल व्हाट्सएप संदेश ही न भेजें, बल्कि दो लोगों से आत्मीयता से मिलकर बात करें। धर्म के क्षेत्र में औपचारिकता न निभाएं। असली क्षमावाणी औपचारिकता नहीं, बल्कि अपनों से आत्मीय संवाद है।

वेटरनरी हॉस्पिटल की वैन को दिखाई हरी झंडी

सिंधिया ने पशु चिकित्सा के क्षेत्र में जैन समाज के योगदान की सराहना करते हुए ''दयाभावन फाउंडेशन'' द्वारा संचालित वेटरनरी हॉस्पिटल की वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डबल इंजन की सरकार विकास में कमी नहीं आने देगी : मंत्री ऐदल सिंह कंषाना

मंत्री कंषाना ने जिले वासियों को प्रतिपदा विक्रम सम्वत् की शुभकामनाएं दीं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने मुरैना जिलेवासियों को श्रृष्टि आरंभ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी है।उन्होंने कहा कि आज बड़ा महत्वपूर्ण दिन है,हिंदू नव वर्ष आज के दिन से शुरू होता है।उन्होंने कहा सही मायने में हमारी परम्परानुसार आज से नववर्ष की शुरुआत होती है।उन्होंने इस अवसर पर पर संपूर्ण नगर वासियों को हार्दिक बधाई दी।उन्होंने कहा है कि सभी के लिए यह नया वर्ष मंगलमय और तरक्की में हो, एक दूसरे के प्रति द्वेषभाव को दूर करें और इसी सकारात्मकता के साथ हम आगे देश व प्रदेश के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार के साथ मिलकर विकास की तरफ़ अग्रसर हो।विकास की इस राह पर हम आशा और विश्वास के साथ आगे बढ़े, देश को तरक्की के सौपान तक पहुंचाने में भागीदार बनें।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माता बहनों, अधिकारी, कर्मचारी एवं नाटक के मंचन की टीम की सहारना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आज के इस शुभ अवसर पर मुरैना के विकास पर ध्यान दे,द्वेष की बातों को नकार कर सकारात्मक समाज का निर्माण करें। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि कलाकारों द्वारा दी गई प्रस्तुति बहुत शानदार रही उन्होंने सभी कलाकारों को स्वैच्छा अनुदान निधि से 10-10 हजार रुपये की घोषणा भी की। कार्यक्रम के अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, कलेक्टर अंकित अस्थान, अतिरिक्त जिला सीईओ आरके गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।यह कार्यक्रम विक्रमोत्सव 2025 के तहत टाउन हॉल मुरैना में आयोजित किया गया।

श्रद्धेय हेडगेवार जी के विचार और राष्ट्र सेवा के संस्कार मार्गदर्शक रहेंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मां भारती की सेवा के लिए संकल्पित राष्ट्र सेवकों के संगठन ÷राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ÷ के संस्थापक, श्रद्धेय केशव बलिराम हेडगेवार जी की जयंती पर शत-शत नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र चिंतक, मातृभूमि के गौरव स्व. हेडगेवार का अनुशासित जीवन कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को प्रेरित करता रहेगा। श्रद्धेय हेडगेवार जी के विचार, चिंतन और राष्ट्र सेवा के उनके संस्कार हमारे लिए जीवन पर्यंत मार्गदर्शक बने रहेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने शासकीय कन्या शाला गाडरवारा का किया निरीक्षण

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को नरसिंहपुर जिले के शासकीय कन्या शाला गाडरवारा का निरीक्षण किया। उन्होंने एक अप्रैल से नये शैक्षणिक सत्र की तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। स्कूल प्रशासन ने बताया कि कन्या शाला में करीब एक हजार छात्राओं के नाम अध्ययन के लिये दर्ज है।

मंत्री श्री सिंह ने शाला भवन निर्माण की स्थिति की जानकारी नगर पालिका अधिकारी से प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्माणाधीन काम गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूरा किया जायें। मंत्री श्री सिंह ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से एक अप्रैल से 4 अप्रैल 2025 तक चलने वाले ÷स्कूल चलें हम अभियान÷ और ÷प्रवेशोत्सव कार्यक्रम÷ में होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी उनके साथ थे।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435